राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार,15 दिसंबर 2022 वर्ष–5,अंक–318 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान से हिमाचल तक पुरानी पेंशन स्कीम का ऐलान पर अब फंस गया है पेच

टकराव के बन सकते है आसार

नई दिल्ली। कांग्रेस शासित राज्य राजस्थान और छत्तीसगढ़ ने सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने का ऐलान कर दिया है। इसके बाद तीनों ही राज्यों ने अब तक एनपीएस फंड में जमा हुई रकम मांगने के लिए पीएफआरडीए के समक्ष आवेदन किया था, जिसे पेंशन रेग्युलेटरी संस्था ने ठुकरा दिया है। इस पर विवाद शुरू हो गया है और छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने इसे केंद्र सरकार का अड़ंगा बताया है। उन्होंने कहा कि एनपीएस में जो भी रकम जमा हुई है, वह राज्य सरकार के खाते से और कर्मचारियों के हिस्से से गई है। इसलिए केंद्र सरकार का उस पर कोई हक नहीं बनता है और उसे तुरंत रिफंड किया जाना चाहिए।

राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है, जबकि झारखंड में झामुमो के नेतृत्व में सरकार चल रही है, जिसमें कांग्रेस गठबंधन सहयोगी के तौर पर शामिल है। तीनों ही राज्यों ने पुरानी पेंशन व्यवस्था को लागू करने का ऐलान कर दिया है, जिसके तहत कर्मचारियों को आखिरी उठाई गई सैलरी की कम से

कम आधी रकम के बराबर राशि आजीवन मिलेगी। वहीं एनपीएस के सिस्टम के तहत कर्मचारी की सैलरी का 10 फीसदी हिस्सा जमा होता है तो वहीं इतनी ही रकम सरकार की ओर से जमा की जाती है। यह रकम फंड मैनेजर्स को दी जाती है। रिटायरमेंट के बाद एक हिस्सा कर्मचारी को वापस मिल जाएगा, जबकि बची हुई रकम से पेंशन दी जाएगी।

राज्यसभा में भी मंगलवार को यह मुद्दा उठा था। भाजपा सांसद सुशील मोदी के एक सवाल के जवाब में वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड ने कहा कि पीएफआरडीए ने बताया है कि एनपीएस के योगदान को वापस करने का कोई नियम नहीं है। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी एनपीएस रिफंड से इनकार किया था। पीएफआरडीए के इस फैसले का असर हिमाचल प्रदेश में भी देखने को मिल सकता है। यहां भी नई आई कांग्रेस सरकार ने पुरानी पेंशन स्कीम को लागू करने का ऐलान कर दिया है।

फंड नहीं मिला तो राज्यों को खुद अदा करनी होगी रकम?

राज्यसभा में भी यह मुद्दा उठा था। भाजपा सांसद सुशील मोदी के एक सवाल के जवाब में वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड ने कहा कि पीएफआरडीए ने बताया है कि एनपीएस के रिफंड का कोई नियम नहीं है।

यदि पीएफआरडीए की ओर से रिफंड नहीं मिलता है तो राज्य सरकारों को 16-17 साल का फंड देना होगा या फिर पुरानी व्यवस्था पर ही बने रहना होगा। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौर में 2004 में एनपीएस लागू किया गया था। इसके बाद आई यूपीए सरकार के कार्यकाल में वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने इस व्यवस्था को राज्यों में भी लागू करने का ऐलान किया था। एनपीएस व्यवस्था नई भर्ती पर लागू करने का फैसला लिया गया था।

बिहार के छपरा में जहरीली शराब पीने से सात लोगों की मौत, परिवारों का दावा

छपरा/पटना। बिहार के छपरा जिले के इसुआपुर थाना क्षेत्र में शराब ने कहर बरपाया है। मंगलवार रात से बुधवार सुबह तक जहरीली शराब पीने से सात लोगों की मौत होने से हड़कंप मचा हुआ है। प्रशासन ने इस घटना में फिलहाल किसी भी तरह की शराब के सेवन से इनकार किया है। मगर इनके परिवारों ने दावा किया है कि सभी की मौत जहरीली शराब के पीने से हुई है।

मृतकों में कुणाल कुमार सिंह पुत्र जदू सिंह मसरख जदू मोड़रा, मजी साह पुत्र गोपाल साह शास्त्री टोला मशरक, विचेंद्र राय पुत्र नृसिग राय दोयला ईशुआपुर, मनोज कुमार सिंह पिता वकील सिंह दोयला ईशुआपुर, गणेश राम पुत्र हरेंद्र राम मशरक, अमित रंजन पुत्र विरेंद्र कुमार सिन्हा दोयला इसुआपुर और मुकेश शर्मा पुत्र बच्चा शर्मा हनुमान गंज मशरक हैं। छपरा सदर अस्पताल के डॉक्टर धनंजय कुमार का कहना है कि सभी लोग कोई संदिग्ध लीकर पिए हुए थे। यह संदिग्ध लीकर क्या है, पोस्टमार्टम के बाद रिपोर्ट आने पर पता चलेगा। उधर, मढौरा डीएसपी ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस को पता चला है कि अमित रंजन ने छपरा सदर अस्पताल में उपचार भी लिया था।

गुवाहाटी में एंबुलेंस से 14.1 करोड़ रुपये की ड्रग्स बरामद

गुवाहाटी। गुवाहाटी महानगर पुलिस ने एंबुलेंस (एमएन-03सी-00371) से भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 14.1 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह एंबुलेंस मणिपुर से आई थी। यह जानकारी पुलिस ने बुधवार सुबह दी। पुलिस के मुताबिक ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर पार्थ सारथी महंत के नेतृत्व में नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान एंबुलेंस की तलाशी ली गई। एंबुलेंस में ड्रग्स छिपा कर रखी गई थी। बरामद ड्रग्स में पांच हजार यावा टेबलेट और 200 ग्राम हेरोइन है। एंबुलेंस चालक मेराजूल इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड को

सुलझाने वाली दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के 12 अधिकारियों की सुरक्षा बढ़ाई

नई दिल्ली। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड केस को सुलझाने में शामिल दिल्ली पुलिस की भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दरअसल, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के 12 अधिकारियों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इनमें स्पेशल सीपी एचजीएस धालीवाल, डीसीपी स्पेशल सेल मनीषी चंद्रा, डीसीपी राजीव रंजन के लिए Y श्रेणी की सुरक्षा को मंजूरी दी गई है। इसकी जानकारी दिल्ली पुलिस ने दी है। बता दें कि इससे पहले अमेरिका में छिपे गैंगस्टर लखबीर सिंह लांडा ने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के अफसरों को धमकी दी थी। लखबीर सिंह को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआईएस का समर्थन है। जिसक दौरान लांडा ने करीब चार दिन पहले दिल्ली पुलिस

● पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड केस को सुलझाने में शामिल दिल्ली पुलिस की भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दरअसल, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के 12 अधिकारियों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इनमें स्पेशल सीपी एचजीएस धालीवाल, डीसीपी स्पेशल सेल मनीषी चंद्रा,...

की स्पेशल सेल के अफसरों को सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर धमकी दी। गैंगस्टर ने स्पेशल सेल को धमकी देते हुए कहा था कि अगर किसी भी अफसर ने पंजाब में कदम रखा तो उसका अंजाम बुरा होगा।

मंत्रिमंडल विस्तार से पहले ही मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री में बंटे सभी विभाग

शिमला। हिमाचल प्रदेश में बेशक अभी मंत्रियों की नियुक्तियां नहीं हुई हैं, मगर मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने सभी विभाग आपस में बांट लिए हैं। हिमाचल सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में मंगलवार देर रात को अधिसूचना जारी कर दी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अपने पास वित्त, सामान्य प्रशासन, गृह, योजना और कार्मिक विभाग रखे हैं। उप मुख्य मंत्री मुकेश अग्निहोत्री को जलशक्ति विभाग, परिवहन और भाषा कला एवं संस्कृति विभाग दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने अपने पास पांच विभाग रखे हैं, जबकि उपमुख्यमंत्री को तीन विभाग दिए गए हैं।

● हिमाचल सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में मंगलवार देर रात को अधिसूचना जारी कर दी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अपने पास वित्त, सामान्य प्रशासन, गृह, योजना और कार्मिक विभाग रखे हैं।

बाकी मंत्रियों की नियुक्तियां जब तक नहीं हो जाती हैं, तब तक मुख्यमंत्री इनके अलावा अन्य सभी विभागों को देखेंगे। हिमाचल प्रदेश में ऐसा पहली बार हुआ है कि मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री को मंत्रियों से पहले पोर्टफोलियो दे दिए गए हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री की नियुक्ति के साथ ही मंत्रियों की नियुक्तियां हो जाती थी, उसके बाद ही विभाग बांटे जाते थे।

इस बार उप मुख्यमंत्री का पद भी प्रदेश में पहली बार मंजूर किया गया है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह के तीसरे दिन भी मंत्रियों पर फैसला नहीं हो पाया तो ऐसे में सरकारी कामकाज को चलाने के लिए दोनों को पोर्टफोलियो का आवंटन हो गया। मुख्य सचिव आरडी धीमान ने इस संबंध में मंगलवार देर रात को अधिसूचना जारी कर दी।

बिहार-यूपी में शीतलहर ने दी दस्तक, दिल्ली में भी पड़ेगी कड़ाके की ठंड

नई दिल्ली। देश के मैदानी इलाकों में भी अब शीतलहर ने दस्तक दे दी है। उत्तर प्रदेश के कानपुर में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। यहां ठंड से बचने के लिए लोग आग तापते हुए दिखे। मौसम विभाग के अनुसार कानपुर में आज न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस रहेगा। वहीं, बिहार के अधिकांश हिस्सों में भी आज कुहासा दिखा। यहां भी लोग ठंड भगाने के लिए अलाव का सहारा लेते हुए दिखे। आपको बता दें कि अभी तक सिर्फ पहाड़ों और उसके आसपास के हिस्सों में ठंड का असर दिख रहा था। वहीं, दिल्ली की हवा आज साफ महसूस की जा रही है। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च के अनुसार दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स 33 (मध्यम) श्रेणी में है। आईएमडी ने बुधवार को सुबह धुंध होने और दिन के समय आसमान साफ रहने का अनुमान जताया था। पुर्वानुमान के अनुरूप दिल्ली में आज की सुबह सर्द रही। आपको बता दें कि कल न्यूनतम तापमान 8.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दक्षिण भारत में बारिश और पहाड़ों से चल रही सर्द हवाओं के कारण उत्तर भारत के मैदानी इलाकों के तापमान में लगातार गिरावट आ रही है। जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड सहित विभिन्न राज्यों में तापमान तेजी से गिर रहा है।

दिल्ली में कड़ाके की ठंड का अनुमान–मौसम विभाग के मुताबिक, देश की राजधानी दिल्ली में पहाड़ों पर बर्फबारी के कारण से आने वाले दिनों में कड़ाके की ठंड पड़ सकती है। न्यूनतम और अधिकतम तापमान से 2-3 डिग्री तक गिरावटक का पूर्वानुमान किया गया है। राजस्थान के चुरू में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, करौली में 6.9 डिग्री सेल्सियस, फतेहपुर सीकर में 7.0 डिग्री सेल्सियस, पिलानी में 7.1 डिग्री सेल्सियस तथा संगरिया में 7.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य में बाकी जगह न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। वहीं, राजधानी जयपुर में बीते चौबीस घंटे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 27.8 डिग्री तथा 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा, बस-डीसीएम में भिड़ंत में 6 की मौत, 21 जख्मी

फिरोजाबाद। आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बुधवार की अलसुबह प्राइवेट बस और डीसीएम में भिड़ंत हो गई। इसके बाद बस खंदी में जा गिरी। इसमें छह सवारियों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 21 घायल सवारियों को घायल होने पर आसपास के अस्पतालों में भिजवाया है। आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर बुधवार की सुबह साढ़े चार बजे नगला खंगर थाना क्षेत्र में एक बस जो लुधियाना से रायबरेली जा रही थी। उसके अंदर करीब 50 सवारियां बैठी हुई थीं। एक्सप्रेसवे पर 61 किलोमीटर पर पहुंचकर डीसीएम से टकराई और रेलिंग तोड़ती हुई नीचे जा गिरी। सवारियों की चीख पुकार मचने लगी। आसपास के खेतों में काम कर रहे किसानों ने दौड़कर सवारियों को बचाना शुरू किया। इसकी जानकारी तत्काल यूपीडा और नगला खंगर पुलिस को दी गई। पुलिस टीमों ने एंबुलेंस से घायल सवारियों को निकलवाकर अस्पताल भिजवाना शुरू किया। एसपी देहात रणविजय सिंह ने बताया कि सभी थानों की पुलिस मौके पर पहुंची थी। सभी अधिकारी मौके पर पहुंचे। लगातार रेस्क्यू किया गया और 21 घायलों को तत्काल आसपास के हास्पीटलों में भिजवाया गया। 19 सवारियों को हल्की चोटें थीं जिनको दूसरी बस से गंतव्य के लिए रवाना किया। वहीं छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों के शवों को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। मृतकों के बारे में जानकारी की जा रही है।

बस हादसे में घायल सवारियों के नाम

1 बबलू पुत्र बिंदादीन निवासी परसाखेड़ा जाना मोराबा जिला उन्नाव
2 बालक पुत्र श्री पाल निवासी परसाखेड़ा जाना मोराबा जिला उन्नाव
3 संतोष पुत्र श्री पाल निवासी परसाखेड़ा जाना मोराबा जिला उन्नाव
4 रामप्रसाद पुत्र शिव कुमार निवासी परसाखेड़ा जाना मोराबा जिला उन्नाव
5 संतोष पुत्र नन्हे निवासी परसाखेड़ा जाना मोराबा जिला उन्नाव
6 सुरजीत पुत्र राम चरण निवासी राजापुर कर्वी चित्रकूट
7 ज्योति पत्नी अजय पाल निवासी किदवई नगर कानपुर
8 अजय पुत्र मोहन लाल निवासी किदवई नगर कानपुर
09 कुरेसभा पुत्री मटरू निवासी कटवा थाना खागा जिला फतेहपुर
10 कुमारी रोशनी पुत्री मटरू निवासी कटवा थाना खागा जिला फतेहपुर
11 चंदा देवी पत्नी राम चरण निवासी कटवा थाना खागा जिला फतेहपुर
12 रामशरण पुत्र राजाराम निवासी कटवा थाना खागा जिला फतेहपुर
13 सुनील पुत्र गंगादीन निवासी कोसंबी थाना असोथर जिला फतेहपुर
14 कुमारी अनन्या पुत्री सुनील निवासी कोसंबी थाना असोथर जिला फतेहपुर

तितर बितर हो गया था सामान–बस के नीचे गिरते ही सवारियों का सामान इधर उधर बिखर गया। सवारियों के घायल होने के बाद भी उनको अपने कीमती सामान की चिंता थी। जब पुलिस आ गई तब सवारियों को सुरक्षा का अहसास हुआ।

महिलाओं और बच्चों की चीखें निकलीं–बस के अंदर सवार महिलाओं और बच्चों की चोटिल होने के बाद चीख पुकार मची हुई थी। लोगों द्वारा इनको सबसे पहले निकाला गया।

अधिकांश सवारियां नींद में थीं–जब हादसा हुआ तब अधिकांश सवारियां नींद में थीं। उनको हादसे की तब पता चली जब बस और डीसीएम में भिड़न्त के बाद तेज आवाज हुई और फिर बस खंदी में जा गिरी।

कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं रघुराम राजन? भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी संग मिलाए कदम से कदम

जयपुर। कन्याकुमारी से चलकर राजस्थान पहुंची कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा में बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन भी शामिल हुए। इस दौरान वो राहुल गांधी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा शुरू होने के बाद से इस यात्रा में कई ऐसे लोग शामिल हुए हैं जो कांग्रेस पार्टी के सदस्य नहीं हैं। बुधवार को रघुराम राजन के भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के बाद एक सवाल उठता है कि, क्या रघुराम राजन कांग्रेस पार्टी में शामिल हो सकते हैं? दरअसल रघुराम राजन केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की कई नीतियों की आलोचना कर चुके हैं। बुधवार को राजस्थान के सवाई माधोपुर के भाडोती से फिर से शुरू हुई यात्रा जिसमें राहुल गांधी के साथ पूर्व RBI गवर्नर रघुराम राजन भी चलते हुए दिखाई दे रहे हैं। दरअसल रघुराम राजन केंद्र सरकार की मौद्रिक नीतियों की कई बार आलोचना भी कर चुके हैं। इस यात्रा में राहुल गांधी के साथ राजस्थान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ कार्यकर्ता भी चलते हुए दिखाई दे रहे हैं। राहुल गांधी और रघुराम राजन के अलावा राहुल गांधी के साथ सचिन पायलट और प्रताप सिंह खाचरियावास भी दिखाई दे रहे हैं।

कौन हैं रघुराम राजन

1963 को मध्य प्रदेश के भोपाल में पैदा हुए

रघुराम राजन भारत के 23वें RBI गवर्नर रह चुके हैं। RBI में अपने कार्यकाल के दौरान रघुराम राजन बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेटलमेंट के वॉइस चेयरमैन भी रह चुके हैं। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह कार्यकाल में 2013 में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर का पद संभालने वाले राजन नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में 2016 तक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे। इनके बाद उर्जित पटेल RBI के गवर्नर बने थे। IIT दिल्ली से बी.टेक और IIM आहमादबाद से मैनेजमेंट की डिग्री के साथ रघुराम राजन ने MIT से Ph.D भी की हुई है।

मोदी सरकार नीतियों की कई बार की है आलोचना–मनमोहन सिंह के कार्यकाल में भारतीय रिजर्व बैंके के गवर्नर बनाए गए रघुराम राजन मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ खुलकर अपना मत रखते रहे हैं। राजन ने कई बार केंद्र सरकार की मौद्रिक नीतियों के में सुधार की बात करते हुए पीएम मोदी को निशाने पर लिया है। पीएम मोदी पर तंज कसते हुए एक बार राजन ने कहा था कि, मोदी सरकार उन्हीं की बात मानती है जो उनकी सरकार की वाह-वाह करते हैं, उनकी नजर में बाकी सब गलत हैं। उनकी केंद्र की मोदी सरकार की खुलकर आलोचना और बुधवार को भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ शामिल होने पर रघुराम राजन के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

तवांग पर खाली-पीली शोर

9 दिसंबर को घटी इस घटना की खबर ने एक सप्ताह बाद तूल पकड़ा है यह तथ्य ही यह बताता है कि इसे लेकर संसद की कार्रवाई का बहिष्कार करना ज़रा ज्यादा चतुराई दिखाना है। इन दिनों सरकार को लताड़ने के लिए कांग्रेस और विपक्ष के पास कोई खास मुद्दे नहीं हैं। इसीलिए तवांग के मामले को तूल दिया जा रहा है।

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

समझ में नहीं आता कि तवांग क्षेत्र में हुई भारतीय और चीनी फौजियों की मुठभेड़ पर विपक्ष ने संसद में इतना हंगामा क्यों खड़ा कर दिया। यदि चीनी सैनिक हमारी सीमा में घुस जाते और हमारी जमीन पर कब्जा कर लेते तो यह हमारी चिंता का विषय जरुर होता लेकिन यदि इसमें भी सरकार की लापरवाही या कमजोरी होती तो विपक्ष का हंगामा जायज होता। 9 दिसंबर को घटी इस घटना की खबर ने एक सप्ताह बाद तूल पकड़ा है यह तथ्य ही यह बताता है कि इसे लेकर संसद की कार्रवाई का बहिष्कार करना ज़रा ज्यादा चतुराई दिखाना है। इन दिनों सरकार को लताड़ने के लिए कांग्रेस और विपक्ष के पास कोई खास मुद्दे नहीं हैं। इसीलिए तवांग के मामले को तूल दिया जा रहा है। विपक्ष का काम सरकार को निरंतर पिन चुभाते रहना है इसमें कोई बुराई नहीं है लेकिन उसे यह भी सोचना चाहिए कि चीन से पिटने की मनमानी व्याख्या का प्रचार करने से हमारे सैनिकों पर कितना बुरा असर पड़ेगा। गलवान तवांग लद्दाख अरूणाचल जैसे बर्फीले इलाकों में हमारे सैनिकों ने चीनी घुसपैठियों को जिस तरह से खदेड़ा है उसके कारण उनका उत्साहवर्द्धन करने की बजाय हमारी संसद से उल्टा संदेश जाना कहां तक उचित है? रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने संसद में जो तथ्य पेश किए हैं उनसे तो लगता है कि चीनी सैनिकों ने तवांग में घुसपैठ की जो कोशिश की थी वह तो विफल हो ही गई है बल्कि यह भी हुआ है कि चीनी फौजी घायल हुए हैं और उनके बहुत-से हथियार छोड़कर उन्हें अपनी सीमा में भागना पड़ा है। मुठभेड़ के बाद दोनों फौजों के कमांडरों के बीच संवाद भी हुआ है और चीन सरकार के प्रवक्ता का कहना है कि चीन सीमांत पर अब शांति है लेकिन हमारा विपक्ष पता नहीं क्यों अशांत है? जैसे हमारे विपक्ष को कुछ न कुछ शोर मचाने के लिए कोई न कोई बहाना चाहिए ऐसे ही अमेरिका को कोई न कोई मुद्दा चाहिए जिसके आधार पर भारत-चीन तनाव का अलाव जलता रहे। भारत और चीन कह रहे हैं कि तवांग पर शांति है लेकिन बाइडन-प्रशासन मुठभेड़ का राग अलाप रहा है। यही रवैया उसका ताइवान पर भी रहा है। भारत सरकार काफी बुद्धिमानी और संयम से काम ले रही है। हमें चीन का मुकाबला करने के लिए सदैव तैयार रहना है लेकिन किसी भी हालत में किसी महाशक्ति का मोहरा नहीं बनना है। यह सच है कि भारत-चीन सीमांत के क्षेत्रों में चीन अपनी फौजी तैयारी में इधर काफी मुस्तैदी दिखा रहा है लेकिन भारत की तैयारी भी कम नहीं है। भारत-चीन सीमांत इतना सुपरिभाषित नहीं है जितनी कि कभी 'बर्लिन वॉल' थी इसीलिए दोनों तरफ से कभी-कभी जान-बूझकर और कभी अनजाने ही अतिक्रमण हो जाता है। इन स्थानीय मुठभेड़ों को जरूरत से ज्यादा तूल देना ठीक नहीं है। दोनों तरफ के फौजियों के बीच संवाद का होना तो अच्छी बात है लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि इस मुद्दे पर मोदी और शी चिन फिंग के बीच जो गलबहिया मित्र रहे हैं सीधी बातचीत क्यों नहीं हो रही है?

सूक्ति

सपना वह नहीं होता जो आप नींद में देखते हैं यह तो कुछ ऐसी चीज़ है जो आपको सोने नहीं देती है।
- अब्दुल कलाम

अकर्मण्यता के जीवन से यशस्वी जीवन और यशस्वी मृत्यु श्रेष्ठ होती है।
- चंद्रशेखर वेंकट रमण

लॉफिंग ज़ोन

टूरिस्ट(किश्ती वाले से), 'मैं इस नदी में नहाना चाहता हूं. इसमें बड़ी मछलियां तो नहीं हैं?' किश्ती वाला, 'नहीं साहब ! आप बेफिक्र होकर नहाएं. इस नदी में जितनी भी छोटी-बड़ी मछलियां थीं उनको मगरमच्छ कब का खा कर खत्म कर चुके हैं.'

☺ ☺ ☺

कंजूस सेठ जी ने नया नौकर रखा और उसे काम समझाया, 'देखों भई तुम्हारे जिम्मे ये काम होंगे-बाजार जाकर सब्जी लाना, सब्जी और खाना बिछाना, सब्जियों और फूलों के पौधों को पानी देना, रात को मेरी टांगे दबाना आदि.'

नौकर बोला, 'सेठ जी, कोठी के पास कोई खाली जगह है?'

सेठ, 'क्या मतलब?'

नौकर, 'मैं फालतू समय में वहां ईंटें भी बना दिया करूंगा.'

☺ ☺ ☺

जल सेना के रंगरूट की राइफल कहीं खो गई. उससे राइफल की कीमत मांगी गई तो उसने विरोध किया और कहा, 'अगर मुझसे जीप कहीं खो जाती तो क्या मुझे उसकी भी कीमत चुकानी पड़ती?'

उसे बताया गया कि 'उसे उस हर वस्तु की कीमत चुकानी पड़ेगी जिसे वह गुम करेगा.'

यह सुनकर युवक बोला, 'अब समझ में आया कि डूबते हुए जहाज के साथ कप्तान क्यों डूब जाता है.'

बल्लभ भाई पटेल को उनके संघर्ष के लिए महिलाओं ने दी थी सरदार की उपाधि!

लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन /15 दिसम्बर पुण्यतिथि पर

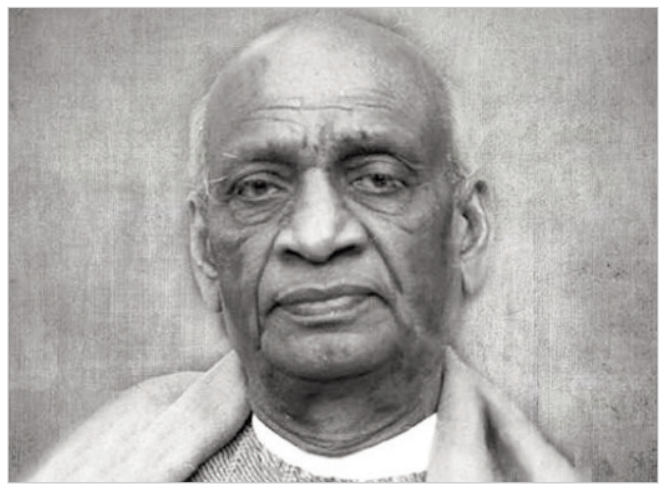

आजादी से पहले अंग्रेजों के विरुद्ध स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई और आजादी के बाद देश की रियासतों को मिलाकर अखण्ड भारत बनाने में बड़ा योगदान सरदार बल्लभभाई पटेल का रहा है।तभी तो सरदार बल्लभ भाई पटेल को भारत का लौह पुरुष कहा जाता है। भारत के पहले उप प्रधानमंत्री रहे सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर सन1875 में गुजरात के नडियाद में हुआ था। उनके पिता झवेरभाई पटेल और माता लाडबा देवी थे। वे अपने माता पिता की चौथी संतान थे। उन्होंने लंदन जाकर बैरिस्टर की पढ़ाई की और अहमदाबाद में आकर वकालत करने लगे। वे महात्मा गांधी से बहुत प्रेरित रहे। देश को आजादी दिलाने और आजादी के बाद देश का शासन सुचारु रुप से चलाने में सरदार पटेल का विशेष योगदान रहा है।

उन्हें भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए 600 छोटी- बड़ी रियासतों का भारत में विलय कराकर एक इतिहास बनाया था। देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से सरदार पटेल का इसमें बड़ा योगदान था।

नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया। भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। जिस अदम्य उत्साह असीम शक्ति से उन्होंने एकीकृत देश की प्रारंभिक कठिनाइयों का समाधान किया। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनका महत्वपूर्ण योगदान था। स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री गृह मंत्री सूचना प्रसारण मंत्री रहे। सरदार पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था।

सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिए कार्य आरंभ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त सन1947 तक हैदराबाद कश्मीर और जूनागढ़ को छोड़कर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थीं।

जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ़ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व के इतिहास का एक आश्चर्य जनक तथ्य है।जिसे भारत की रक्तहीन क्रांति नाम दिया जा सकता है। लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से अलग थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त सन 1947 के कई दिनों बाद मिली थी। पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए थे। लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ा था। सरदार पटेल के द्वारा किये गए कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निमाण गांधी स्मारक निधि की स्थापना कमला नेहरू अस्पताल की स्थापना आदि कार्य गिने जा सकते हैं।वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्तूबर सन 1875 में गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चौथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। 16 वर्ष की आयु में ही उनका विवाह हो गया था। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उतीर्ण होने पर उन्होंने वकालत की । वे पांच भाई व एक बहन थे। वकालत के पेशे में पढाई के लिए अगस्त सन 1910 में वे लंदन भी गए। गृहमंत्री के रूप में वे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने भारतीय नागरिक सेवाओं का भारतीयकरण कर उसे भारतीय प्रशासनिक सेवा का नाम दिया। उन्होंने देश के लोगो को राजभक्ति से देशभक्ति की ओर उन्मुख किया। सरदार बल्लभ भाई पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के तीन बार उम्मीदवार बने मगर तीनो ही बार कांग्रेस के अध्यक्ष नही बन पाए।फिर भी उनका कद अध्यक्ष से कही बड़ा था।सन1928 में गुजरात में बारडोली सत्याग्रह हुआ जिसका नेतृत्व वल्लभ भाई पटेल ने किया। यह प्रमुख किसान आंदोलन था। उस समय प्रांतीय सरकार किसानों से भारी लगान वसूल रही थी। सरकार ने लगान में 30 फीसदी वृद्धि कर दी थी। जिसके चलते किसान बेहद परेशान थे। वल्लभ भाई पटेल ने सरकार की मनमानी का कड़ा विरोध किया। सरकार ने इस आंदोलन को कुचलने की कोशिश में कई कठोर कदम उठाए। लेकिन अंत में विवश होकर सरकार को पटेल के आगे झुकना पड़ा और किसानों की मांगे पूरी करनी पड़ी। दो अधिकारियों की जांच के बाद लगान 30 प्रतिशत से 6 प्रतिशत कर दिया गया। बारडोली सत्याग्रह की सफलता के बाद वहां की महिलाओं ने वल्लभ भाई पटेल को सरदार की उपाधि दी।

सन 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने का कारावास हो गया था।मार्च सन 1931 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के करांची अधिवेशन की अध्यक्षता की थी।इसके बाद उन्हें जनवरी सन 1932 में फिर गिरफ्तार कर लिया गया। जहां से जुलाई सन 1934 में वे रिहा हुए। अक्तूबर सन 1940 में कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ सरदार पटेल भी गिरफ्तार हो गए और अगस्त 1941 में रिहा किये गए।

सरदार पटेल का निधन 15 दिसंबर सन 1950 को मुंबई में हुआ था।प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु ने कहा था कि 'सरदार का जीवन एक महान गाथा है जिससे हम सभी परिचित हैं और पूरा देश यह जानता है। इतिहास इसे कई पन्नों में दर्ज करेगा और उन्हें राष्ट्र-निर्माता कहेगा। इतिहास उन्हें नए भारत का एकीकरण करने वाला कहेगा और भी बहुत कुछ उनके बारे में कहेगा। लेकिन हममें से कई लोगों के लिए वे आज़ादी की लड़ाई में हमारी सेना के एक महान सेनानायक के रूप में याद किए जाएंगे। सरदार पटेल को उनकी मृत्यु के 41 साल बाद सन 1991 में मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न मिला। देश मे एकता और अखंडता में उनका ऐतिहासिक योगदान ही उनके भारत रत्न सम्मान का आधार बना।(लेखक राजनीतिक विश्लेषक व वरिष्ठ पत्रकार है)

जीवन का नजरिया लिखे कामयाबी की इबारत

योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

मनुष्य अगर कभी जीवन में पराजित होता है, तो उसके पीछे कारण होता है उसकी नकारात्मक सोच। जब आदमी हिम्मत हार जाता है तो फिर उसमें आगे बढ़ने की चाह भी खत्म हो जाती है। महाकवि जयशंकर प्रसाद की काव्य-कृति 'कामायनी' के नायक 'मनु' जल-प्रलय के बाद जब अस्तित्व की 'चिंता' में डूबे हुए होते हैं, तब 'श्रद्धा' उन्हें सकारात्मकता की ओर बढ़ने के लिए कहती है :-

'तपस्वी क्यों हो इतने क्लांत,
हुए तुम इतने अधिक अधीर।
हार बैठे जीवन का दांव,
जीतते जिसको मर कर वीर।'

आज समाज में नकारात्मक सोच बढ़ती जा रही है। जिसे देखिए, वह असंतुष्ट-सा नज़र आता है। जिसे देखिए, सरकार से, प्रशासन से, आसपास के लोगों से और अपने सगे-संबंधियों तक से असंतुष्ट होकर सब की बुराइयां करता फिरता है। जहां भी खड़ा होगा, बस एक ही बात करता है 'अजी, सब निकम्मे हैं, सब साले चोर हैं, सब के सब बेईमान हैं। देश का तो बेड़ागर्क होने वाला है।' कोई उनसे पूछे कि आपने देश के लिए क्या किया है?

आखिर यह सब क्यों होता है? तो मुझे यही लगा कि आज समाज में नकारात्मकता की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। सब कुछ पा जाने पर भी और अधिक पा लेने की होड़ में हम अपने मन का सुकून और शांति खोते जा रहे हैं। आज एक ऐसी बोध-कथा पढ़ने को मिली, जिसमें समाज के प्रश्न का उत्तर मिल गया है। 'जापान से एक युवक हवाई जहाज से अफ्रीका के लिए व्यापारिक यात्रा पर निकला। उसी समय उसी हवाई जहाज से एक अमेरिकी भी अफ्रीका के लिए निकला। वे दोनों अफ्रीका एक ही समय, एक ही काम से पहुंचे, पर उन्हें यह बात पता नहीं थी। अमेरिकी युवक एक बहुत बड़ी जूतों की कंपनी में जूते बेचने वाला एजेंट, सेल्समैन था। वह अफ्रीका गया था कि अपनी कंपनी के जूते वहां बिकने की व्यवस्था कर सके। जापानी युवक भी जापान की जूता बेचने वाली कंपनी का विक्रेता, एजेंट था। वह भी अफ्रीका इसी उद्देश्य से गया था।

संयोग देखिए कि वे दोनों एक ही समय अफ्रीका की धरती पर उतरे। रास्तों से गुजर कर वे अपने होटल तक पहुंचे। संयोग से वे एक ही होटल में ठहरे। उनकी कार एक ही रास्ते से गुजरी। अफ्रीकी जनता को उन दोनों ने ही एकसाथ अपनी-अपनी निगाह से देखा।होटल पहुंचते ही अमेरिकी युवक ने अपनी कंपनी के अधिकारी को फोन किया 'मैं लौटते जहाज से वापस आ रहा हूं। अफ्रीका में हमारे जूते बिल्कुल नहीं बिक सकेंगे, क्योंकि यहां तो कोई जूता पहनता ही नहीं है। मैंने देखा कि सभी लोग नंगे पैर हैं। यहां हमारे लिए जूते बेचने की कोई संभावना ही नहीं है। इसलिए मैं तुरंत वापस लौट रहा हूं।' उसी समय जापानी युवक ने भी अपनी कंपनी को फोन किया 'एक लाख जूते की जोड़ियां यहां फौरन भेज दें। यहां जूतों की बिक्री की बहुत बड़ी संभावना है। यहां कोई भी जूता नहीं पहने हुए है। एक भी आदमी के पास जूते नहीं हैं। यहां तो जूतों का बहुत बड़ा बाजार है।' परिणाम हुआ कि अमेरिकी युवक खाली हाथ वापस लौट गया, क्योंकि उसने सोचा कि कोई आदमी जहां जूता ही नहीं पहनता, वहां जूता कौन खरीदेगा? जबकि जापानी युवक को लगा कि जूते नहीं हैं, तभी तो यहां कोई जूते नहीं पहनता। हम जूते बेचेंगे, तभी तो ये पहनेंगे। इन दोनों की दृष्टियां भिन्न थीं। एक ने बाजार खो दिया, एक ने बाजार खोज लिया। जीवन के बाजार में भी हम सब ही उतरते हैं। कुछ लोग नकारात्मक सोच से 'बाजार खो' देते हैं, कुछ लोग सकारात्मक सोच से 'बाजार को खोज' लेते हैं। सच यही है कि जो लोग 'नकार भाव' से देखते हैं, उन्हें जीवन असार दिखाई पड़ता हैं। वस्तुतः यह सकारात्मक सोच ही हमें समाज में आगे बढ़ाती है और समाज खुशहाल होता है, जबकि नकारात्मक सोच हमें पीछे खींचती है।

याद रखिए, हर व्यक्ति के जीवन में मुश्किलें आती ही हैं। आदमी सकारात्मक रहे तो रास्ते बन जाते हैं और हमें अपनी मंज़िल मिल जाती है। यह सच्चाई सदा याद रखिए:-

'कौन है ऐसा जिसे, सब कुछ मिला है।
कंटकों में फूल, खुशबू ले खिला है।'

(चिंतन-मनन)

बाहरी विकार

एक व्यक्ति संन्यासी के पास पहुंचा और बोला बाबाजी! मुझे परमात्मा से मिला दो। संन्यासी ने बात टालनी चाही। लेकिन वह अपनी बात पर अड़ा रहा। संन्यासी ने उसकी भावना परखने की दृष्टि से कहा भगवान से मिलना है तो कल आना होगा। दूसरे दिन फिर यही उत्तर मिला। लेकिन वह निराश नहीं हुआ निरन्तर आता रहा। संन्यासी ने देखाइसे शब्दों से समझाना कठिन है। आखिर उसे एक युक्ति सूझी। कहा परमात्मा से मिलने के लिए तो ऊपर चढ़ना होगा। उसने स्वीकृति दे दी। संन्यासी ने उसके सिर पर पांच बड़े-बड़े पत्थर रखे और पहाड़ की चढ़ाई पर चढ़ने के लिए कहा। दो चार कदम चला होगा कि उसकी सांस फूलने लगी और वह वहीं रूक गया। संन्यासी बोले यहां बैठने से भगवान नहीं मिलेंगे। वह साहस बटोरकर चला लेकिन असफल रहा। संन्यासी ने उसके सिर पर से एक पत्थर उतार दिया। वह कुछ दूर चला फिर रूक गया। चलते-चलते पांचों पत्थर नीचे गिरा दिए गए। वह पहाड़ की चोटी पर पहुंच गया।

संन्यासी बोला- समझे या नहीं।

उसने उत्तर दिया- मैं कुछ नहीं समझा। आप समझा दीजिए।

संन्यासी- जब तक तुम्हारे सिर पर पत्थर थे तुम चल नहीं सके और हल्के होकर चोटी तक पहुंच गए। इन बाहरी पत्थरों में भी इतनी शक्ति है तो हमारे भीतर काम प्रोध मद लोभ और भय रूप जो पांच बड़े-बड़े पत्थर हैं उनको उतारे बिना भगवान तक कैसे पहुंचोगे? इसलिए इन पाषाणों से हल्का बनने के लिए साधुओं का सान्निध्य पाना आवश्यक है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एप्पल ने लॉन्च किया फ्रीफॉर्म व्हाइटबोर्ड ऐप

सैन फ्रांसिस्को। एप्पल ने फ्रीफॉर्म नामक एक नया व्हाइटबोर्ड एप्लिकेशन लॉन्च किया है, जिसे रचनात्मक बुद्धिशीलता और सहयोग के लिए डिजाइन किया गया है।टेक दिग्गज ने मंगलवार को एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, फ्रीफॉर्म यूजर्स को एक फ्लेक्सिबल कैनवास पर कंटेंट को व्यवस्थित करने और देखने में मदद करता है, जिससे उन्हें एक ही स्थान पर देखने, शेयर करने और सहयोग करने की क्षमता मिलती है। एप्लिकेशन यूजर्स को बोर्ड पर एक साथ काम करने के लिए दूसरों को आमंत्रित करने की अनुमति देता है और वे फेसटाइम कॉल के दौरान भी सहयोग कर सकते हैं। फ्रीफॉर्म बोर्ड आईक्लाउड में संग्रहित किए जाते हैं, ताकि उपयोगकर्ता सभी डिवाइस में सिंक में रह सकें। एप्पल के वर्ल्डवाइड प्रोडक्ट मार्केटिंग के उपाध्यक्ष बॉब बोर्चर्स ने कहा, फ्रीफॉर्म आईफोन, आईपैड और मैक उपयोगकर्ताओं के लिए सहयोग करने के लिए अंतहीन संभावनाएं खोलता है। बोरचर्स ने कहा, अनंत कैनवस के साथ, फाइलों की एक विस्तृत श्रृंखला को अपलोड करने के लिए समर्थन, आईक्लाउड एकीकरण और सहयोग क्षमताएं, फ्रीफॉर्म विचार-मंथन के लिए एक साझा स्थान बनाता है जिसे उपयोगकर्ता कहीं भी ले जा सकते हैं। कई फाइलों के साथ काम करते समय या दूसरों के साथ सहयोग करते समय, अनंत कैनवास का विस्तार होता है क्योंकि बोर्ड में नए कंटेंट जोड़े जाते हैं। एप्लिकेशन विचारों को स्केच करने, कमेंट्स जोड़ने और ड्रॉ बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की ब्रश शैलियों और रंग ऑप्शन्स की पेशकश करता है। फ्रीफॉर्म इमेजिस, वीडियो, ऑडियो, डॉक्यूमेंट्स, पीडीएफ अन्य वेबसाइटों के लिंक और मैप लोकेशन्स, स्टिकी नोट्स, शेप्स, डायग्राम्स और बहुत कुछ जैसी फाइलों की एक विस्तृत श्रृंखला का समर्थन करता है। इसके अतिरिक्त, आईफोन और आईपैड डिवाइसों के कैमरों का उपयोग करके डॉक्यूमेंट्स को स्कैन करना या बोर्ड में इमेज सम्मिलित करना किया जा सकता है।

विदेशी बाजारों में मिले-जुले रुख के बीच तेल-तिलहनों के भाव चढ़े

नई दिल्ली । मलेशिया एक्सचेंज में तेजी के बीच दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में बुधवार को सरसों सोयाबीन मूंगफली तेल-तिलहन कच्चा पामतेल (सीपीओ)बिनौला और पामोलीन तेल कीमतों में तेजी का रुख रहा। सस्ते आयातित तेलों के मुकाबले देशी तिलहनों की पेराई की लागत अधिक बैठने से देशी तेल-तिलहन कीमतों में बढ़त कायम रही। मलेशिया एक्सचेंज में डेढ़ प्रतिशत की तेजी रही और शिकॉगो एक्सचेंज फिलहाल लगभग 0.75 प्रतिशत नीचे चल रहा है। सूत्रों ने कहा कि मोदी सरकार को इस तथ्य की ओर ध्यान देना होगा कि खरीफ के अधिकांश देशी तेल-तिलहन (मूंगफली बिनौला कपास नरमा सोयाबीन) नवंबर में मंडियों में आ जाते हैं। इसके बाद जब देश में तिलहन उत्पादन भी बढ़ रहा हो तब आयात कम होने के बजाय बढ़ता ही जा रहा है। यह अच्छा संकेत नहीं है और इसका हल किया जाना जरूरी है। सूत्रों ने कहा कि आयातित सूरजमुखी और सोयाबीन के रिफाइंड तेल का थोक भाव हमें लगभग 110 रुपये लीटर बैठता है। सारे खर्च जोड़ने के बाद इन दोनों ही तेलों का खुदरा बिक्री भाव 130-135 रुपये लीटर से अधिक नहीं होना चाहिए। लेकिन ये तेल मनमानी कीमतों पर बेचा जा रहा है। देश को आयात पर निर्भर होने के बजाय खुद का तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाने से ही इस उलझन से मुक्ति मिल सकती है। इसकी सबसे अधिक जिम्मेदारी तब तेल संगठनों की है कि वे समय रहते सरकार को वस्तुस्थिति से अवगत कराए। सूत्रों ने कहा कि इन तेल संगठनों द्वारा सरकार को सस्ते आयात की मार से कराह रहे तेल उद्योग किसानों की परेशानियों से भी अवगत कराना और उससे निकलने की सही राह सुझाना चाहिए।

मुम्बई शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में यह उछाल दुनिया भ्रर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही महंगाई दर में आई कमी ओर खरीददारी बढ़ने से आई है। इसके अलावा अमेरिका में मुद्रास्फीति में कमी आने से भी घरेलू बाजार को बल मिला है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 144.61 अंक करीब 0.23 फीसदी बढ़कर 62677.91 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान यह 301.81 अंक तक उछला था। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 52.30 अंक तकरीबन 0.28 फीसदी बढ़कर 18660.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा टाटा स्टील एनटीपीसी इंडसइंड बैंक भारतीय स्टेट बैंक पावर ग्रिड एचसीएल टेक्नोलॉजीज टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर नेस्ले इंडिया भारती एयरटेल आईसीआईसीआई बैंक एशियन पेंट्स हिंदुस्तान यूनिलीवर और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। बाजार जानकारों के अनुसार विश्व के प्रमुख देशों में उम्मीद की तुलना में महंगाई में कमी के साथ आईटी शेयरों की मांग बढ़ने से भी लू बाजार ऊपर आया है। अमेरिका में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति कम हुई है। इससे केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर बढ़ाने की संभावना कम हुई है। इससे भी निवेशकों का भरोसा बना हुआ है। इससे पहले सुबह भारीय बाजार तेजी के साथ शुरु हुआ और यह बढ़त दिन भर बरकरार रही। वहीं एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो

दक्षिण कोरिया का कॉस्पी जापान का निक्की चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग ऊपर आया है। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट रही। अमेरिकी बाजार में भी बढ़त रही।

वहीं अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ 80.63 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया ऊपर आया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 15 पैसे बढ़कर 82.45 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रुपये में ये तेजी घरेलू शेयर बाजार में बढ़त के साथ ही मुद्रास्फीति दबाव के कम होने से निवेशकों की धारणा सुधरने से आई है। वहीं इसके अलावा अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के कमजोर होने और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने से भी रुपये को बल मिला है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.60 के स्तर पर खुला और कारोबार के अंत में यह 15 पैसे उछलकर 82.45 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपया 82.40 के उच्चस्तर और 82.71 के निचले स्तर पर पहुंचा। इससे पिछले गत कारोबारी सत्र में रुपया 82.60 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ था। इस बीच विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.28 फीसदी घटकर 103.69 रह गया।

थोक महंगाई दर 21 महीने के निचले स्तर 5.85 फीसदी पर, सीतारमण ने पीएम को दिया क्रेडिट

नई दिल्ली। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित महंगाई दर नवंबर में 5.85 प्रतिशत के 21 महीने के निचले स्तर पर आ गई। इसका मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट है।डब्ल्यूपीआई इंफ्लेशन में गिरावट पर प्रतिक्रिया देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोक सभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा समय-समय पर हस्तक्षेप के कारण यह नीचे आई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति इसी महीने पिछले साल 14.87 प्रतिशत के स्तर पर थी। अक्टूबर 2022 में थोक मुद्रास्फीति 8.39 प्रतिशत थी, जबकि नवंबर में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति 5.85 प्रतिशत पर आ गई है। खाद्य पदार्थों और निर्मित वस्तुओं और ईंधन की कीमतों में गिरावट के कारण नवंबर 2022 में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति दर में कमी आई। नवंबर में खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति पिछले महीने के 8.33 प्रतिशत के मुकाबले 1.07 प्रतिशत थी। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को कहा, नवंबर 2022 में मुद्रास्फीति की दर में गिरावट, मुख्य रूप से पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में खाद्य पदार्थ, धातु, कपड़ा, रसायन, रासायनिक उत्पाद, कागज और कागज उत्पादों की कीमतों में गिरावट का नतीजा है।

अक्टूबर 2024 तक टीवीएस लांच कर सकती हैं फ्लेक्स-फ्यूल वाहन

टीवीएस मोटर्स के सीईओ ने दिए संकेत

नई दिल्ली।

देश में सभी वाहनों को इथेनॉल-बेस्ड मॉडल यानी फ्लेक्स फ्यूल में बदलने की प्रक्रिया की शुरुआत दो-पहिया वाहनों से हो सकती है। उम्मीद है कि टू-व्हीलर कंपनियां अगले 2 साल में फ्लेक्स-फ्यूल वाहन लांच कर सकते हैं। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) की ओर आयोजित इथेनॉल तकनीक प्रदर्शनी में टीवीएस मोटर के सीईओ ने संकेत दिया कि कंपनी 2024 तक फ्लेक्स-फ्यूल वाहन लांच कर सकती है। यह घोषणा के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद थे। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने देश में प्रदूषण को कम करने के साथ-साथ महंगे ईंधन आयात पर निर्भरता कम करने के लिए भारत में ऑटो निर्माताओं को क्लीन इथेनॉल बेस्ड फ्यूल वाले वाहन बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। टीवीएस मोटर के सीईओ और सियाम में टू व्हीलर काउंसिल के अध्यक्ष केएन राधाकृष्णन ने कहा हम सभी फ्लेक्स ईंधन वाहनों को लांच करने के लिए एक रोडमैप के साथ काम कर रहे हैं। अक्टूबर-दिसंबर 2023 तक हम सभी फ्लेक्स फ्यूल टू-व्हीलर्स की रूपरेखा तैयार कर लेने और अक्टूबर 2024 तक हम सभी निर्माता फ्लेक्स फ्यूल टू-व्हीलर के कम से कम एक मॉडल के बड़े पैमाने पर उत्पादन की दिशा में काम करने वाले हैं। टीवीएस के अलावा बजाज ऑटो हीरो मोटोकॉर्प होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया यामाहा मोटर इंडिया और रॉयल एनफील्ड जैसे ऑटो निर्माताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। मारुति सुजुकी वैगनआर के रूप में अपनी पहली फ्लेक्स फ्यूल कार प्रोटोटाइप प्रदर्शित करने वाली कार निर्माताओं में से एक थी।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने इंडस्ट्री को इथेनॉल बेस्ड ईंधन वाले वाहनों की आवश्यकता पर जोर दिया। गडकरी ने कहा हर साल कच्चे तेल की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव रहता है इससे बहुत सारी समस्याएं हो जाती हैं। हमें 100 प्रतिशत फ्लेक्स ईंधन वाहनों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ने की जरूरत है। हम बहुत से उद्योगों को इथेनॉल का उत्पादन शुरू करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत में 40 प्रतिशत प्रदूषण पेट्रोल और डीजल जैसे जीवाश्म ईंधन के उपयोग के कारण होता है।

कोल इंडिया ने सात कोयला खानों के विकास के बारे में आदेश जारी किया

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने खदान विकासकर्ता और परिचालकों (एमडीओ) द्वारा सात कोयला खानों के विकास के बारे में आदेश जारी किया है। कोल इंडिया ने कहा कि खुली वैश्विक निविदाओं के जरिये एमडीओ को जोड़ने का उद्देश्य घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ाना और आयात पर निर्भरता को यथासंभव कम करना है। कंपनी ने खान विकासकर्ता और परिचालकों की नियुक्ति के द्वारा आगे बढ़ने के लिए सात कोयला परियोजनाओं को स्वीकृति पत्र जारी किए हैं। इन सात परियोजनाओं में से तीन सीआईएल की इकाई सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की और दो उसकी अन्य अनुषंगी महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) की हैं। इसके अलावा साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड और ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड प्रत्येक की एक-एक परियोजना है। कोयला कंपनी का लक्ष्य एमडीओ के जरिये 15 नई कोयला

परियोजनाओं के विकास का है। कोल इंडिया भूमि अधिग्रहण पुनर्वास और पुनर्स्थापन के मुद्दों और कुछ मामलों में रेलवे के माल लदान स्थलों पर 20600 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

नेटफ्लिक्स ने लॉन्च किए 2 नए मोबाइल गेम्स

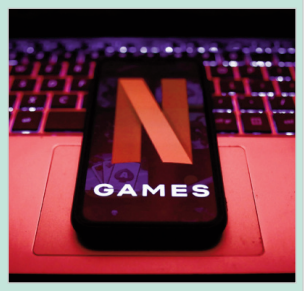

सैन फ्रांसिस्को। स्ट्रीमिंग की दिग्गज कंपनी नेटफ्लिक्स ने दो नए मोबाइल गेम, केंटकी रूट जीरो और ट्वेल्व मिनट्स लॉन्च किए हैं।टेककरंच की रिपोर्ट के अनुसार, साहसिक खेल केंटकी रूट जीरो कार्डबोर्ड कंप्यूटर द्वारा विकसित किया गया है और यह केंटकी के नीचे गुफाओं के माध्यम से चलने वाले एक गुप्त राजमार्ग के बारे में है। 24 बिट गेम्स द्वारा विकसित और अन्नपूर्णा इंटरएक्टिव द्वारा प्रकाशित ट्वेल्व मिनट्स में, खिलाड़ी टाइम-लूप नाइटमेयर से बचने की कोशिश करते हैं और इसमें हॉलीवुड अभिनेताओं जेम्स मैकएवॉय, डेजी रिडले और विलेम डैफो की आवाजें हैं। आने वाले गेम्स के लिए, नेटफ्लिक्स के अनुसार, विकिंग्स : वलहल्ला खिलाड़ियों को उग्र विकिंग क्लेन के लीडरों की भूमिका निभाने देगा क्योंकि वे बस्तियों का निर्माण करते हैं और पूरे महाद्वीप में अपनी शक्ति बढ़ाते हैं। गेम 2023 की पहली तिमाही में नेटफ्लिक्स पर शुरू होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्ट्रीमिंग दिग्गज ने कहा कि खिलाड़ी पुराने स्कूल के गेमप्ले को नए फाइटिंग मैकेनिक्स के साथ बेहतर पाएंगे और नए स्टोरी मोड के साथ रोमांच की खोज करेंगे।

एप्पल ने बेहतरीन डिस्प्ले के साथ आईओएस 16.2 किया जारी

सैन फ्रांसिस्को।

एप्पल ने आईओएस 16.2 को रोल आउट करना शुरू कर दिया है, जो आईओएस 16 ऑपरेटिंग सिस्टम (ओएस) का दूसरा बड़ा अपडेट है। इसमें यूजर्स के लिए कई नए और बेहतर फीचर शामिल हैं, जैसे बेहतर ऑलवेज-ऑन डिस्प्ले।द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, आईफोन 14 प्रो के मालिक हमेशा ऑन-डिस्प्ले सेटिंग्स में सुधार का लाभ उठाएंगे, जो यूजर्स को मोड वॉलपेपर और नॉटिफिकेशन को बंद करने की अनुमति देता है। अन्य नई सुविधाओं में एंड-टू-एंड आईक्लाउड एन्क्रिप्शन, एप्पल म्यूजिक सिंग कराओके मोड और बहुत कुछ शामिल हैं। आईओएस 16.2 में एंड-टू-एंड आईक्लाउड एन्क्रिप्शन को एडवांस्ड डेटा प्रोटेक्शन कहा जाता है और इसका उपयोग नोट्स, आईक्लाउड बैकअप और फोटो जैसे डेटा को सुरक्षित रखने के लिए किया जाता है। सुरक्षा अब 23 डेटा कैटेगिरी तक फैली हुई है, जो पहले 14 थी और अब इसमें डिवाइस बैकअप, मैसेज बैकअप, आईक्लाउड ड्राइव, नोट्स, फोटो, रिमाइंडर, सफारी बुकमार्क, सिरी शॉर्टकट, वॉयस मेमो और वॉलेट पास शामिल हैं। कराओके के फैंस के लिए, एप्पल म्यूजिक को आईओएस 16.2 के साथ अपना खुद का कराओके मोड मिलता है। इसमें रियल-टाइम लिरिक्स और वोकल्स के वॉल्यूम को एडजस्ट करने की क्षमता शामिल है, ताकि सिंगर्स अपनी खुद की आवाज को बेहतर ढंग से सुन सकें। आईपैड बात करें तो, आईपैड ओएस 16.2 स्टेज मैनेजर के लिए बाहरी डिस्प्ले सपोर्ट

जोड़ता है, जो ऐप और विंडोज को व्यवस्थित करता है ताकि यूजर्स का फोकस डेस्कटॉप पर बना रह सकें। रिपोर्ट में कहा गया है कि आईओएस 16.2 और आईपैडओएस 16.2 दोनों में एक नया होमकिट आटेक्र शामिल है, जिसे एप्पल ने मूल रूप से आईओएस 16 के साथ पेश करने की योजना बनाई।

यूजर्स को अपमानजनक कमेंट्स के प्रति आगाह करेगा यूट्यूब का नया फीचर

सैनफ्रांसिस्को।

यूट्यूब ने एक नया फीचर शुरू किया है जो यूजर्स को उनके कमेंट्स को अपमानजनक पाए जाने पर चेतावनी देगा।कंपनी का कहना है कि वह उन लोगों को नोटिफिकेशन भेजेगा, जिनकी अपमानजनक कमेंट्स को प्लेटफॉर्म के नियमों का उल्लंघन करने के लिए हटा दिया गया है। इसके अलावा, यदि कोई उपयोगकर्ता कई अपमानजनक कमेंट्स को छोड़ना जारी रखता है, तो उन्हें टाइमआउट मिल सकता है और अस्थायी रूप से 24 घंटे तक कमेंट करने में असमर्थ हो सकते हैं। टेस्ट से पता चला है कि कंपनी के फोरम पोस्ट के अनुसार, इन चेतावनियों/टाइमआउट्स होने से उपयोगकर्ताओं द्वारा फिर से उल्लंघनकारी कमेंट्स छोड़ने की संभावना कम हो जाती है। कंपनी ने कहा, हमारा लक्ष्य क्रिएटर्स को उन यूजर्स से बचाना है जो कमेंट्स के माध्यम से समुदाय को नकारात्मक रूप से प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं, साथ ही उन यूजर्स को अधिक पारदर्शिता प्रदान करते हैं जिन्होंने नीति

उल्लंघनों के लिए कमेंट्स को हटा दिया था और उम्मीद है कि उन्हें हमारे सामुदायिक दिशानिर्देशों को समझने में मदद मिलेगी। वर्तमान में, अपमानजनक कमेंट का पता लगाने का फीचर केवल अंग्रेजी टिप्पणियों के लिए उपलब्ध है, लेकिन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म का लक्ष्य भविष्य में और भाषाओं को शामिल करना है। कंपनी का कहना है कि वह स्पैम को पहचानने और हटाने के लिए अपने ऑटोमेटेड डिटेक्शन सिस्टम और मशीन लर्निंग मॉडल को बेहतर बनाने पर काम कर रही है। कंपनी ने दावा किया कि उसने 2022 के पहले छह महीनों में 1.1 अरब से अधिक स्पैम कमेंट्स को हटा दिया है। चूंकि कमेंट्स और लाइव चैट में स्पैम और दुरुपयोग को कम करना एक सतत कार्य है, कंपनी ने कहा कि ये अपडेट जारी रहेंगे क्योंकि वे नए रुझानों के अनुकूल होते रहेंगे।

शिवपुरी में टमाटर का बंपर उत्पादन, किसान मुसीबत में

शिवपुरी।

मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले के किसानों के लिए इस साल टमाटर की खेती घाटे का सौदा साबित हो रही है। इसकी वजह बाजार में दामों में भारी गिरावट है। दूसरे राज्यों के बाजारों में टमाटर की आवक ज्यादा होने से यहां के टमाटर की मांग भी कम है।शिवपुरी के कई किसान टमाटर की खेती कई वर्षों से करते आ रहे हैं, मगर वर्तमान में टमाटर के दाम औंधे मुंह गिरने से टमाटर उत्पादकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। यहां के टमाटर उत्पादक किसानों के लिए इस साल घाटा हो रहा है। कारण यह है कि टमाटर की मांग बाहरी राज्य जैसे लखनऊ, कानपुर, दिल्ली, आगरा आदि शहरों में नहीं हैं। जिसके कारण किसानों को टमाटर के सही दाम नहीं मिल पा रहे हैं।

किसानों की मानें तो इस बार खेतों में टमाटर का बंपर उत्पादन हुआ है लेकिन बाहरी राज्यों में डिमांड न होने से टमाटर यहां से बाहर नहीं जा रहा है। टमाटर की हालत यह है कि 30 किलो की एक क्रेट के दाम 60 से 70 रुपए चल रहे हैं यानि कि टमाटर के दाम दो से तीन रुपए किलो जा रहे हैं। टमाटर का उत्पादन करने वाले किसानों ने बताया कि बाहरी राज्यों में टमाटर की ज्यादा मांग न होने से इस साल उनकी उत्पादन लागत भी नहीं निकल पा रही है। बीलारा गांव के रहने वाले किसान कप्तान सिंह यादव ने बताया कि उन्होंने अपनी 10 बीघा जमीन में टमाटर का उत्पादन किया था लेकिन आज हालत यह है कि इसकी लागत नहीं निकल पा रही है। बाहरी राज्यों से जो व्यापारी टमाटर खरीदने के लिए शिवपुरी आते थे वह इस बार आए नहीं हैं क्योंकि यहां के टमाटर की मांग ही नहीं है, लिहाजा दाम गिर गए हैं। किसान कप्तान सिंह ने बताया कि इस बार टमाटर का उत्पादन घाटे का सौदा रहा है।

वहीं एक किसान चतुर सिंह ने बताया कि एक टमाटर की क्रेट जो 30 किलो की होती है उसके दाम 60 से 70 रुपए किलो मिल रहे हैं और तुड़ाई के रूप में मजदूर को 30 रुपए देने पड़ रहे हैं। शिवपुरी जिले में बीते कुछ सालों से टमाटर का लगातार उत्पादन बढ़ता जा रहा है। बीते कुछ वर्षों पहले टमाटर में किसानों को अच्छा लाभ होने से टमाटर के प्रति किसानों का रुझान बढ़ा। यही कारण है कि शिवपुरी जिले में किसानों ने टमाटर का 10 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में उत्पादन किया गया है लेकिन इस साल टमाटर के दाम औंधे मुंह गिर गए हैं जिसके कारण किसानों को नुकसान हो रहा है।

यस बैंक के शेयरों में निवेश से पहले यह खबर पढ़ ले

मुंबई। निजी क्षेत्र के बैंक यस बैंक के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली। बुधवार को बीएसई पर यस बैंक के शेयर 7.72 फीसदी टूटकर 22.10 रुपये पर बंद हुआ। ऐसा पिछले कुछ दिनों चली शेयरों में तेजी के बाद हुआ। यस बैंक के शेयरों में हाल में काफी तेजी देखी गई थी। इस साल यस बैंक का शेयर अब तक 62 फीसदी तक ऊपर जा चुके हैं। जानकारों का मानना है कि यस बैंक के शेयर में पैसा लगाने से पहले दो बातों का ध्यान रखना चाहिए। पहला कि यस बैंक के 75 फीसदी शेयरों पर लगा 3 साल का लॉक इन पीरियड मार्च 2023 में खत्म होगा। इसके बाद संभव है कि निवेशक इससे बाहर निकलने के लिए तेजी से शेयरों की बिकवाली शुरू कर दें। हाल के समय में बाजार में इसके कई उदाहरण देखे हैं कि लॉक इन पीरियड खत्म होने के बाद किस तरह से विभिन्न कंपनियों के शेयर औंधे मुंह गिरे। इसके अलावा शेयरों में बिक्री का एक और कारण यह दिखाई देता है कि एक

निजी फर्म ने यस बैंक की कवरेज शुरू की है। वित्तीय सलाहकार फर्म ने इस अंडरवेट की रेटिंग दी है। फर्म ने शेयरों को 20.50 रुपये का टारगेट दिया है। उनका कहना है कि इसके शेयरों में रिटर्न ऑन असेट्स (आरओए) एक फीसदी से ज्यादा नहीं दिखाई देता है।

योगी ने हॉकी विश्व कप ट्रॉफी का अनावरण किया

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 15वें पुरुष हॉकी विश्व कप की ट्रॉफी के लखनऊ पहुंचने पर इसका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास पर हॉकी पुरुष वर कप-2023 की ट्रॉफी का अनावरण किया। इस विशेष अवसर पर मुख्यमंत्री ने टोक्यो ओलंपिक 2020 की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम के सदस्य ललित उपाध्याय को उत्तर प्रदेश पुलिस में पुलिस उपाधीक्षक के पद पर नियुक्ति का पत्र भी सौंपा। मुख्यमंत्री ने हॉकी विश्व कप ट्रॉफी के उप्र पहुंचने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि पूरा देश भगवान जगन्नाथ की पवित्र भूमि ओडिशा में हॉकी विश्व कप की मेजबानी के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में यह हॉकी महाकुंभ विश्व के लिए भारत की अतिथि देवो भव की भावना से परिचित होने का अवसर भी होगा। योगी ने विश्व कप के सफल आयोजन के लिए हॉकी इंडिया को शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने साथ ही कहा ''भारत में एक नई खेल संस्कृति विकसित हो रही है और भारतीय खिलाड़ी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में नया इतिहास रच रहे हैं। हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल है और वैश्विक मंच पर भारत का हॉकी में गौरवशाली अतीत रहा है। हमने ओलंपिक में आठ स्वर्ण पदक जीते हैं।

आईपीएल 2023

इन 3 ऑलराउंडर्स पर लगेगी सबसे महंगी बोली

(एजेंसी)

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16वें संस्करण की तैयारियां 23 दिसंबर से मिनी ऑक्शन के साथ शुरू हो जाएगी। आईपीएल 2023 का मिनी ऑक्शन टीमों के लिए यहां सबसे रोमांचक होगा, वहीं टीमों के लिए यह सिरदर्द भी रहेगी कि किस खिलाड़ी पर दांव खेला जाए और किसे जाने दिया जाए। आईपीएल के 16वें संस्करण के लिए कुल 991 खिलाड़ियों ने नामांकण किया है, लेकिन इन खिलाड़ियों में से कुछ ऐसे खिलाड़ी भी होंगे जिनपर टीमें आंखे बंद करके दांव लगाएंगी।

सबसे महंगे होंगे यह 3 ऑलराउंडर्स

बेन स्टोक्स

आईपीएल 2023 में बेन स्टोक्स का नाम 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस वाले खिलाड़ियों में शामिल है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि बेन स्टोक्स के नाम पर आईपीएल 2023 की नीलामी में सबसे महंगी बोली लगने वाली है। 2018 की आईपीएल नीलामी में स्टोक्स सबसे महंगे खिलाड़ी थे, जब उन्हें राजस्थान रॉयल्स ने 12.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। स्टोक्स टी20 प्रारूप में प्रभावशाली क्रिकेटर के रूप में जाने जाते हैं जो अपनी टीम को कठिन परिस्थितियों से बाहर निकालने के लिए अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करते हैं।

स्टोक्स के पास बेहतरीन नेतृत्व क्षमता भी है और उन्हें टीम में शामिल करके कोई भी फ्रेंचाइजी उन्हें टीम में एक आदर्श रोल मॉडल की तरह भी स्थापित करना चाहेंगी। स्टोक्स ने पिछले साल के आईपीएल में हिस्सा नहीं लिया था, क्योंकि वह अपने मानसिक स्वास्थ्य और तंदुरूस्ती पर ध्यान देना चाहते थे, लेकिन राजस्थान रॉयल्स के पूर्व खिलाड़ी, टूर्नामेंट के 16वें संस्करण के लिए पूरी तरह तैयार है।

शाकिब अल हसन

बांग्लादेश से उभरने वाले बेहतरीन क्रिकेटरों में से एक शाकिब अल हसन ने इस साल अपना बेस प्राइज 1.5 करोड़ रखा है। शाकीब अपने दमदार खेल और अनुभव के साथ किसी भी टीम की रीढ़ की हड्डी साबित होंगे।

शाकिब गेंदबाजी में अपनी निरंतरता, सटीकता और आक्रामकता के लिए जाने जाते हैं और बल्लेबाजी करते समय उनके पास कई तरह के शॉट होते हैं। उनके आत्मविश्वास और स्वभाव की वजह से उन्हें अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वकालिक महान ऑलराउंडर्स में से एक माना जाता है। शाकिब आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। आईपीएल के नए सीजन में बहुत सारी टीमें उन्हें न केवल उनके क्रिकेट कौशल के लिए, बल्कि उनके बेजोड़ अनुभव और दबाव को संभालने की क्षमता के लिए भी अपनी टीम में लाने की कोशिश करेंगी।

सैम करन

सैम करन ने हाल ही में टी20 विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन किया है, जिसके लिए उन्हें विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के अवॉर्ड से भी नवाजा गया। सैम करन ने आईपीएल 2023 के लिए अपना बेस प्राइज 2 करोड़ रुपये रखा है। इंग्लैंड का यह प्रतिभाशाली ऑलराउंडर पहले ही आईपीएल के पिछले संस्करणों में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए शानदार प्रदर्शन कर चुका है और बल्ले और गेंद दोनों से बेहद प्रभावी रह चुका है। सैम करन का बढ़ता अनुभव और उनका नेतृत्व गुण एक साथ मिलकर उन्हें आईपीएल टीमों के लिए एक बेहतरीन खरीद बनाता है। इसके साथ निचले क्रम के बल्लेबाज के रूप में भी उन्हें अन्य ऑलराउंडर्स से अलग बनाता है।

फीफा विश्व कप फाइनल में पहुंचते ही अर्जेंटीना में जश्न शुरु सड़कों पर उमड़े लोग

ब्यूनस आयर्स ।

फीफा विश्वकप फुटबॉल के फाइनल में पहुंचने के बाद से ही अर्जेंटीना में जश्न का माहौल है। लोग सड़कों पर नाचते गाते हुए उमड़ आये। सभी के हाथों में अर्जेंटीना के झंडे थे। फुटबॉल प्रशंसकों का झुंड नीली जर्सी में चारों पर फैल गया। ये लोग मेसी- मेसी चिल्ला रहे थे। सेमीफाइनल में अर्जेंटीना की क्रोएशिया पर 3-0 से जीत के बाद से ही लोगों में फुटबॉल का जुनून छाया हुआ है। राजधानी ब्यूनस आयर्स में मैच समाप्त होते ही लोग सड़कों पर उमड़ पड़े। टीम की जर्सी पहने लोगों के हाथ में देश का झंडा था और वे राष्ट्रगान गा रहे थे। मैच शुरू होने से पहले पूरा शहर मानों थम गया था। चिलचिलाती गर्मी के बाद भी कैफे रेस्त्रां और सार्वजनिक स्थानों पर लगी बड़ी स्क्रीनों के सामने लोग मैच देखेन खड़े थे। सभी की नजरें टीम के स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी के प्रदर्शन पर थीं। वहीं एक विज्ञापन कंपनी में काम करने वाले 31 वर्ष के एमिलियानो एडम ने कहा''मैं खुशी के मारे पागल सा हो गया हूं। यह पहला मैच था जिसमें मुझे कोई तनाव नहीं हुआ। शुरू से अंत तक मैने पूरा आनंद लिया। आर्थिक मुसीबतों से घिरे इस देश के लोगों के चेहरों पर टीम के इस प्रदर्शन से खुशी ला दी है। पहले मैच में सउदी अरब से मिली अप्रत्याशित हार के बाद लगातार जीत दर्ज करके टीम फाइनल तक पहुंची। अर्जेंटीना में मुद्रास्फीति की दर प्रतिवर्ष करीब 100 फीसदी है और देश के दस में से चार व्यक्ति गरीबी में रह रहे हैं। अभिनेत्री लैला डेसमेरी ने कहा''हम सभी उत्साहित हैं। इतनी खुशी बरसों बाद मिली है। यह खूबसूरत है। हम बता नहीं कर सकते कि अगले कुछ दिन कितने अच्छे होने वाले हैं।

विश्वकप से लौट रहे प्रशंसकों से फैल रहा कैमल फ्लू

लंदन । कतर में विश्व कप फुटबॉल देखकर वापस लौट रहे प्रशंसकों से कैमल फ्लू संक्रमण फैलना शुरु हो गया है। इसके ताजा मामले इंग्लैंड में देखने में आये हैं। यहां इन दिनों कई लोगों में कैमल फ्लू का संक्रमण देखा जा रहा है। इसको देखते हुए इंग्लैंड में चिकित्सा कर्मचारियों को सतर्क रहने को कहा गया है। चिकित्सा विभाग के अनुसार टूर्नामेंट के लिए कई फुटबॉल प्रशंसक कतर गए थे जहां वो ऊटों के संपर्क में आकर संक्रमित हो गये। इस कारण अब कैमल फ्लू के मामले बढ़ रहे हैं। इसको देखते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी (यूकेएचएसए) ने सांस लेने में कठिनाई और बुखार से पीड़ित लोगों की तलाश शुरू कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार कैमल फ्लू कोविड 19 से कहीं अधिक घातक है। इससे संक्रमित एक तिहाई से अधिक रोगियों की मौत हो जाती है। वहीं कोरोना वायरस संक्रमितों में चार फीसदी से भी कम की मौत का आंकड़ा मिलता है। ये भी कहा गया है कि डॉक्टरों और स्वास्थ्य टीमों को खास तौर पर विश्व कप से लौटने वाले पर्यटकों को लेकर सावधानी बरतनी रखने को कहा गया है। इन सभी की खास जांच पड़ताल करने के प्रति सतर्कता बरतना भी काफी अहम रहेगा। कहा जा रहा है कि उन लोगों में ये जोखिम काफी अधिक हो सकता है जो ऊंटों के संपर्क में आए हों। कतर में इस वर्ष अब तक कैमल फ्लू के दो मामले दर्ज किए जा चुके है। ये भी कहा गया है कि दोनों मामलों में मरीज ऊंटों के संपर्क में आए थे।

नेत्रहीन टी-20 क्रिकेट विश्वकप के सेमीफाइनल में भारत, श्रीलंका को 7 विकेट से हराया

पंजीम ।

भारत ने पंजिम जिमखाना स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए नेत्रहीनों के तीसरे टी-20 विश्व कप में श्रीलंका को 7 विकेट से हराकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। भारत राऊंड रॉबिन मैचों के पूरा होने के बाद तालिका के शीर्ष पर भारत बना हुआ है। सेमीफाइनल में भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा जबकि अन्य सेमीफाइनल श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच खेला जाएगा। श्रीलंका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी थी। भारतीय गेंदबाज सुनील रमेश ने पांच ओवरों के अंदर ही श्रीलंका के दोनों सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखादी। इसके बाद रुवन वसंता और दमिथ सदरूवान ने पारी संभालने की कोशिश की। श्रीलंका नियमित अंतराल पर विकेट गंवाता रहा और अंत तक उन्होंने 8 विकेट पर 137 रन बनाए। वसंता ने 40 रन बनाए। भारत के लिए सुनील रमेश और अजय कुमार रेड्डी ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम इंडिया ने उप-कप्तान डी. वेंकटेश्वर राव का विकेट जल्दी गंवा दिया। लेकिन इस दौरान प्रकाश जयरामैया ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी जारी रखी। प्रकाश ने ललित मीणा के साथ दूसरे विकेट के लिए 71 रन जोड़े जिसमें मीणा का योगदान सिर्फ 4 रन का था। प्रकाश ने 44 गेंदों में 17 चौकों की मदद से 81 रन बनाए। अजय कुमार रेड्डी और सुनील रमेश ने बिना किसी परेशानी के ये मुकाबला 11.5 ओवर में समाप्त कर दिया। टूर्नामेंट का सेमीफाइनल अब बेंगलुरु में खेला जाएगा। इन मैचों का सीधा प्रसारण डीडी स्पोर्ट्स पर होगा। भारत पहले सेमीफाइनल में सुबह 9 बजे दक्षिण अफ्रीका से खेलेगा। वहीं, दोपहर 1 बजे दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका और बांग्लादेश आमने-सामने होंगे।

संक्षिप्त समाचार

11वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता देहरादून में शुरु हुई

मुख्यमंत्री धामी ने उद्घाटन समारोह में खेल कोटा फिर बहाल करने की घोषणा की

देहरादून । उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून के पुलिस लाइन में 11वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। 14 से 19 दिसम्बर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में 26 टीमों के कुल 316 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं जिनमें 196 पुरुष और 120 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में खेल कोटा फिर शुरु किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विभिन्न राज्यों एवं सशस्त्र बलों से पहुंचे तीरंदाज खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत की धरती तीरंदाजी की जननी रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में समृद्ध खेल संस्कृति का विकास हो रहा है। जिसके कारण हमारे खिलाड़ियों द्वारा विभिन्न खेलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहनीय प्रदर्शन किया जा रहा है। राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिए नई खेल नीति को लागू की गई है। खेल नीति में खिलाड़ियों के उन्नयन और उनके बुनियादी सुविधाओं के लिए व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि खेल व्यक्ति के चहुंमुखी विकास के लिए जरुरी हैं। खेल हमें समयबद्धता धैर्य अनुशासन और समूह में कार्य करने की प्रेरणा भी देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल के क्षेत्र में हमारे युवाओं द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया जा रहा है। इस दौरान पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने कहा कि उत्तराखण्ड में अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन पहली बार हो रहा है।

सचिन की तरह अर्जुन तेंदुलकर ने भी पदार्पण मैच में शतक लगाया

नई दिल्ली । अर्जुन तेंदुलकर ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपने पदार्पण मैच में ही शतक लगाकर अपने पिता सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर ली है। अर्जुन ने रणजी ट्रॉफी में गोवा से खेलते हुए राजस्थान के खिलाफ 52 गेंदों पर ही छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद उन्होंने शतक लगाकर अपनी पिता सचिन की भी बराबरी की। सचिन ने भी साल 1988 में अपने पहले ही प्रथम श्रेणी मैच में पदार्पण करते हुए शतक लगाया था। अब 34 साल के बाद अर्जुन ने इसी कारनामा दोहराया है। अर्जुन के शतक 112 और सुयश सरदेसाई के 172 रनों की सहायता से गोवा ने चायकाल तक पांच विकेट पर 410 रन बना लिए थे। अर्जुन ने अपनी पारी में 12 चौके और दो छक्के लगाये। अर्जुन तेंदुलकर टी20 लीग में आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस से जुड़े हुए हैं। सचिन ने दिसंबर 1988 में गुजरात के खिलाफ प्रथम श्रेणी में पदार्पण मैच खेला था। तब बॉम्बे की टीम से खेलते हुए सचिन ने पहली पारी में बेहतरीन शतक लगाया था। सचिन तब केवल 15 साल के थे जबकि अर्जुन अभी 23 साल के हैं। सचिन रणजी ट्रॉफी के इतिहास के डेब्यू मैच में ऐसा करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी हैं। सचिन ने 129 गेंद में शतक पूरा किया था। तब उन्होंने 12 चौके भी लगाये थे। उन्होंने 100 रन की नाबाद पारी खेली थी। वहीं 23 अर्जुन ऑलराउंडर हैं। वह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज भी हैं। उन्होंने अब तक 9 टी20 मैच में 12 विकेट लिए हैं।

मैं पिच को देख रहा था, यह बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं थी : पुजारा

नई दिल्ली।

चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि बुधवार, 14 दिसंबर को अपना 19वां टेस्ट शतक बनाने से चूकने के बाद वह निराश नहीं थे। दाएं हाथ के यह बल्लेबाज 90 रन पर आउट हो गए। पुजारा ने जनवरी 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट के बाद से टेस्ट क्रिकेट में शतक नहीं बनाया है। अनुभवी ने कहा कि उनका एकमात्र उद्देश्य अपनी टीम को एक अच्छे स्कोर तक ले जाने में मदद करनी थी। पहले दिन का खेल खत्म होने तक भारत का स्कोर 90 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 278 रन था। दिन का खेल खत्म होने पर पुजारा बाएं हाथ के स्पिनर तैजुल इस्लाम के हाथों आउट हो गए। उन्होंने यह भी कहा कि पिच किसी भी तरह से बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं थी। पुजारा ने कहा, जिस तरह से मैं बल्लेबाजी कर रहा था और पिच को देख रहा था, यह बल्लेबाजी के लिए आसान पिच नहीं थी। इसलिए मैंने आज जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे मैं वास्तव में खुश हूं। कभी-कभी, हम तीन अंकों के निशान पर ध्यान देते हैं, लेकिन जब आप खेल खेलते हैं तो सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा कोशिश करना और टीमों को ऐसी स्थिति में लाना है जहां हमारे पास खेल जीतने का मौका हो। भारत द्वारा शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल और ऋषभ पंत के चार विकेट गंवाने के बाद, पुजारा और श्रेयस अय्यर ने पांचवें विकेट के लिए 149 रनों की साझेदारी की। पुजारा ने स्वीकार किया कि श्रेयस के साथ उनकी साझेदारी भारत के लिए मैच में वापसी करने के लिए महत्वपूर्ण थी। उन्होंने कहा, पिच ऐसा लग रहा है जैसे मैच का परिणाम होगा और हमें बोर्ड पर कुछ रन चाहिए थे। इसलिए, मुझे लगता है कि श्रेयस के साथ मेरी साझेदारी काफी महत्वपूर्ण थी। और ऋषभ के साथ भी, एक बार जब हमने पहले तीन विकेट खो दिए, तो एक समय था जब हमें एक अच्छा स्कोर बनाने के लिए साझेदारी करनी थी। उन्होंने आगे कहा, इसलिए, मैंने जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे मैं खुश था और शतक ना बनने से चिंतित नहीं था। अगर मैं इसी तरह से खेलता रहा तो यह जल्द ही आएगा।

सुनील नारायण को मिली बड़ी जिम्मेदारी, बोले- भूमिका निभाने के लिए बहुत उत्साहित हूं

कोलकाता : वेस्टइंडीज के अनुभवी ऑलराउंडर सुनील नारायण को आगामी आईएलटी20 लीग के लिये अबू धाबी नाइट राइडर्स का कप्तान नियुक्त किया गया है। केकेआर के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। नारायण ने कप्तानी की जिम्मेदारी के बारे में कहा, ''मैं अबू धाबी नाइट राइडर्स के कप्तान की भूमिका निभाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह एक नयी चुनौती है क्योंकि अब मुझे अपनी पूरी टीम के कामकाज के बारे में सोचना है, न कि सिर्फ मेरे खेल या मेरे चार ओवरों के बारे में। यह ऐसी चीज है जिसका मैं इंतजार कर रहा हूं।'' नारायण ने कहा, ''मैं नाइट राइडर्स (फ्रेंचाइजी) के साथ ही खेल में बड़ा हुआ हूं, इसलिए यह मेरे लिए एक परिवार की तरह है। हर जगह उनकी एक टीम होती है, मुझे इसका हिस्सा बनना पसंद है। मैंने यूएई में काफी क्रिकेट खेली है इसलिये मैं परिस्थितियों को अच्छी तरह जानता हूं। यदि आप अबू धाबी नाइट राइडर्स को देखते हैं तो यह एक जानी-पहचानी टीम है, न कि एक नई टीम जिसकी मुझे आदत डालनी है। अपने खिलाड़ियों की ताकत पता होने से मुझे काफी आत्मविश्वास मिलता है।'' आईएलटी20 लीग की शुरुआत 13 जनवरी, 2023 को संयुक्त अरब अमीरात में होगी। लीग के पहले संस्करण में छह टीमें हिस्सा ले रही हैं।

क्रोएशियाई स्टार खिलाड़ी कोमोडरिच का विश्वकप जीतने का सपना टूटा

लुसैल। क्रोएशिया की विश्वकप सेमीफाइनल में हार के साथ ही उसके दिग्गज खिलाड़ी लुका मोडरिच का विश्वकप फुटबॉल जीतने का सपना टूट गया। अर्जेंटीना के खिलाफ हुए इस मुकाबले में मोडरिच की जगह 81वें मिनट में लोवरो मायेर को उतारा गया पर वह भी विफल रहे। यह दूसरी बार है जब क्रोएशियाई टीम खिताब के करीब आकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी है। टीम की हार के बाद मोडरिच बेहद निराश नजर आये और उन्होंने अपना चेहरा तक ढक लिया। क्रोएशियाई प्रशंसकों ने अपने देश के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अभिवादन कर हौंसला बढ़ाने का भी प्रयास किया। वहीं दूसरी ओर मोडरिच के सम्मान में अर्जेंटीना के प्रशंसक भी खड़े हो गये। मोडरिच से पहले पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी टीम की हार के बाद खिताब जीतने का सपना पूरा नहीं कर पाये। दोनों ने ही अपने-अपने क्लबों की ओर से कई खिताब जीते हैं पर विश्वकप हासिल नहीं कर पाये हैं। गौरतलब है कि चार साल पहले रूस में टीम को फाइनल तक पहुंचाने वाले मोडरिच से देशवासियों की काफी उम्मीदें थी। टीम ने जब क्वार्टर फाइनल में नेमार की ब्राजील टीम को हराया तो यह उम्मीदें और भी बढ़ गयीं थी पर अर्जेंटीना के सामने टीम टिक नहीं पायी।

फाइनल से पहले लियोनेल मेसी बोल

यह मेरा आखिरी विश्व कप मैच होगा

लुसैल :

अर्जेंटीना के कप्तान और दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने ऐलान कर दिया है कि फीफा विश्व कप 2022 का फाइनल उनका आखिरी विश्व कप मैच होगा। अर्जेंटीना ने यहां लुसैल स्टेडियम पर मंगलवार को खेले गये सेमीफाइनल में क्रोएशिया को हराकर छठवीं बार फाइनल में जगह बनायी है, जहां उसका सामना मोरक्को या फ्रांस में से किसी एक टीम से होगा। मेसी ने मैच से बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं यह उपलब्धि हासिल करके बहुत खुश हूं। विश्व कप में अपना सफर फाइनल खेलकर खत्म करना बहुत खास है। अगला (विश्व कप) बहुत सालों बाद होगा और मुझे नहीं लगता कि मैं तब खेल सकूंगा। यह अपने विश्व कप सफर को समाप्त करने का सबसे अच्छा तरीका है।'' अर्जेंटीना के 35 वर्षीय कप्तान अपना पांचवां विश्व कप खेल रहे हैं, जबकि डिएगो माराडोना और जेवियर मैसकरानो ने केवल चार बार शीर्ष मंच पर अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व किया है। मेसी क्रोएशिया के खिलाफ 34वें मिनट में गोल करके अर्जेंटीना के लिये सर्वाधिक गोल (11) करने वाले खिलाड़ी भी बन गये। मेसी ने कहा, ''यह सब (रिकॉर्ड) अच्छे हैं लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि हम समूह का उद्देश्य हासिल कर सकें, जो सबसे खूबसूरत चीज है। हम कड़ी मेहनत करने के बाद जीत से बस एक कदम दूर हैं, और हम इस बार ऐसा करने के लिये अपना सब कुछ झोंक देंगे।''दो बार की विश्व विजेता अर्जेंटीना ने अपना पिछला फाइनल 2014 में खेला था। दूसरे फाइनलिस्ट की पुष्टि बुधवार को फ्रांस और मोरक्को के बीच होने वाले सेमीफाइनल के बाद होगी।

टी20 में शोएब मलिक 12000 रन पूरे करने वाले विश्व के दूसरे खिलाड़ी बने

श्रीलंकाई प्रीमियर लीग में बनाया अहम रिकार्ड

कोलंबो । पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक ने श्रीलंकाई प्रीमियर लीग में अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा है। शोएब मलिक ने इस टी20 लीग में जाफना किंग्स की ओर से खेलते हुए अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से अपनी टीम को कोलंबो स्टार्स पर 6 रन से जीत दिलायी। जाफना किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 178 रन बनाए। शोएब के नाबाद 35 रन के अलावा अविष्का फर्नांडो और समरविक्रमा ने एक समान 32-32 रन बनाये जबकि कप्तान थिसारा परेरा ने 29 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए कोलंबो स्टार्स की टीम 8 विकेट पर 172 रन ही बना सकी शोएब ने इस दौरान टी20 क्रिकेट में अपने 12000 रन पूरे करने के साथ ही अपने नाम एक बड़ा रिकॉर्ड दर्ज कर लिया है। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज हैं। 40 साल के इस बल्लेबाज ने 26 गेंदों पर नाबाद 35 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 25 गेंदों पर तीन चौके लगाए। शोएब ने इसी के साथ ही टी20 क्रिकेट में अपने 12000 रन भी पूरे कर लिए। इसी के साथ ही वह इस प्रारुप में 12 हजार या इससे ज्यादा रन बनाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज क्रिस गेल ने 463 टी20 मैचों में 14562 रन बनाए थे जबकि मलिक के नाम 486 टी20 मैचों में 12027 रन दर्ज हो गये हैं। टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में तीसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड का नाम आता है जिन्होंने 614 मैचों में 150.25 के स्ट्राइक रेट से कुल 11915 रन बनाये हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

माथेरान हिल स्टेशन में सबकुछ मिलेगा, देख लिया तो चकित रह जाएंगे

हिल स्टेशन को मनोरम पहाड़ी इलाका कहते हैं। भारत में पहाड़ियों की विशालतम, लंबी, सुंदर और अद्भुत श्रृंखलाएं हैं। एक और जहां विध्यांचल, सतपुड़ा की पहाड़ियां है, तो दूसरी ओर आरावली की पहाड़ियां। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक भारत में एक से एक शानदार पहाड़ हैं, पहाड़ों की श्रृंखलाएं हैं और सुंदर एवं मनोरम घाटियां हैं। यहां पर घूमना बहुत ही यादगार और शानदार होता है। आओ इस बार जानते हैं भारत के टॉप हिल स्टेशनों में से एक माथेरान हिल स्टेश के बारे में रोचक जानकारी।

माथेरान हिल स्टेशन :

1. यह हिल स्टेशन महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में स्थित है।
2. इसे देश के सबसे छोटे हिल स्टेशन परंतु खूबसूरत हिल स्टेशन का दर्जा प्राप्त है।
3. यहां देखने के लिए कई व्यू प्वाइंट, झीलें और पार्क हैं जिनमें मंकी प्वाइंट, लिटिल चॉक, चॉक पॉइण्ट, इको प्वाइंट, मनोरमा प्वाइंट, सनराइज और सनसेट प्वाइंट प्रमुख हैं।
4. यहां झरने और बादलों को देखने का मजा ही कुछ और है। बादलों से घिरे पहाड़ और पहाड़ों से गिरते झरनों को देखकर आप चकित रह जाएंगे। इन अद्भुत नजारों का आनंद अपने आप में ही बहुत रोमांच भरा है।
5. यहां जितने ऊंचे पड़ा हमें चकित करते हैं उतनी ही नीची घाटियों को देखने से हमारा मन प्रसन्न हो जाता है। पेड़ों के घने आवरण से बीच में पहाड़ी के नीचे की घाटियां, तीव्र ढलानों, पठारों और मैदानों के कई विहंगम दृश्य हमें मोहित करते हैं।
6. माथेरान में चारों ओर छायादार घने पेड़ और हरियाली से लदी समतल पहाड़ियां भी हैं जहां सब तरफ लहरदार पैदल रास्ते मौजूद हैं। यहां पैदल घुमने का भी मजा ही कुछ और है।
7. माथेरान में मोटर वाहन के प्रवेश पर पूरी तरह पाबंदी है। वैसे यहां सवारी के लिए घोड़े, खच्चर, टट्टू, हाथ से खींचने वाले रिक्शे और पालकी उपलब्ध रहते हैं लेकिन आप चाहें तो पैदल घूम कर भी पूरे हिल स्टेशन का मजा ले सकते हैं।
8. माथेरान में एक खुबसूरत झील भी है। कच्ची-पक्की पगडंडियों के जरिए नीचे घाटी की तरफ जाने पर उस झील तक भी पहुंचा जा सकता है जहां से पूरे माथेरान में पानी की सप्लाई होती है।
9. यदि आप मुंबई से माथेरान जाने चाहते हैं तो मुंबई के करीब नेरूल जंक्शन से दो फुट चौड़ी नैरो गेज लाईन पर चलने वाली टॉय-ट्रेन सबसे बेहतर विकल्प हैं जो लगभग 22 किमी का सफर तय करके पर्यटकों को माथेरान बाजार के बीच स्थित रेलवे स्टेशन तक पहुंचाती है। हालांकि यह ट्रेन आराम से ही चलती है लेकिन जितनी भी देर का सफर हो उसका आदंन ही कुछ और है क्योंकि यात्रा में इतने तीखे और घुमावदार मोड़ हैं कि कई बार पुरी ट्रेन या अगला पिछला कोच एकदम पुरा दिखाई देता है। साथ ही रास्ते के प्राकृतिक नजारे भी बहुत रोमांचित करते हैं।
10. बारिश के महीनों को छोड़कर यहां कभी भी जाया जा सकता है। बारिश के मौसम में घने बादल होते हैं जिसके चलते दूर-दूर तक नजारे कम देखने को मिलते हैं साथ ही यहां कच्ची सड़क होने से फिसलने का खतरा भी बढ़ जाता है।
11. यहां रहने और खाने की कोई परेशानी नहीं है परंतु आप खाने और पीने की व्यवस्था खुद करके ले जाएंगे तो पैदल घुमते वक्त परेशानी नहीं होगी।

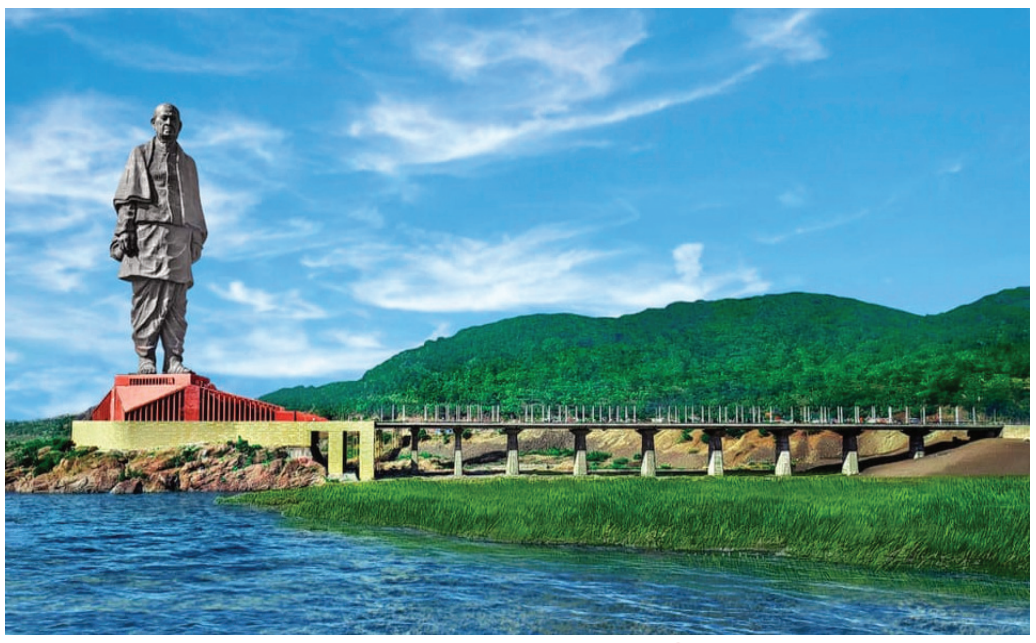

15 दिसंबर - सरदार वल्लभ भाई पटेल पुण्यतिथि पर जानिए कहाँ है उनकी विशाल प्रतिमा

स्टेचू ऑफ यूनिटी देश के पहले गृहमंत्री रहे सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची प्रतिमा है। यह दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है तथा शंघाई कॉर्पोरेशन ऑर्गेनाइजेशन द्वारा इसे 8 अजूबों की लिस्ट में शामिल किया है।

इस प्रतिमा की विशालता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मात्र इसके चेहरे की ऊंचाई ही 7 मंजिली इमारत के बराबर है। इतना ही नहीं लौह पुरुष की प्रतिमा के 6 फीट के इंसान के कद से बड़े होंठ, आंखें और जैकेट के बटन हैं। इसके हाथ 70 फुट लंबे हैं, जबकि पैर के निचले हिस्से की ऊंचाई 85 फुट है। इस मूर्ति की ऊंचाई न्यूयॉर्क स्थित 'स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी' से भी करीब दोगुनी है।

गुजरात में केवड़िया कॉलोनी में नर्मदा नदी पर स्थित सरदार सरोवर बांध से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची प्रतिमा, स्टेच्यू ऑफ यूनिटी स्थित है। इस विशाल प्रतिमा को बनाने की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2010 में की थी, जब वे गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के तौर पर कार्यरत थे। और अक्टूबर 2013 में तब मुख्यमंत्री रहे मोदी ने इसकी आधारशिला रखी थी, इसे बनाने का काम एलएंडटी कंपनी को अक्टूबर 2014 को दिया गया था तथा इसके निर्माण की शुरुआत अप्रैल 2015 में हुई थी।

इस विशाल मूर्ति को बनाने में 90 हजार टन सीमेंट और लगभग 24,000 टन स्टील, 25,000 टन लोहा तथा 1,700 टन तांबा और इतना ही कांसा उपयोग किया गया है। इस प्रतिमा के आधार पर एक म्यूजियम और इसके अंदर 153 मीटर की ऊंचाई पर जहां इसका हृदयस्थल है, उसमें पहाड़ी क्षेत्र, नर्मदा नदी और निकटवर्ती सरदार सरोवर डैम का नजारा देखने के लिए एक दर्शक क्षेत्र भी बनाया गया है।

इतना ही नहीं इस विशालकाय प्रतिमा में 2 लिफ्ट भी लगी हुई हैं। इस मूर्ति को 7 किमी दूर से देखा जा सकता है। इस प्रतिमा में महत्वपूर्ण बात यह है इसकी ऊंचाई कि गुजरात की असेंबली सीट 182 के बराबर ही रखी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर, 2018 को इस प्रतिमा का अनावरण करके इसे राष्ट्र को समर्पित किया है। सरदार वल?लभ भाई पटेल की इस प्रतिमा का कार्य मात्र 4 वर्षों में पूरा किया गया है तथा इसे बनाने की लागत 2,989 करोड़ रुपए आई है। सबसे कम समय में बनने वाली यह दुनिया की पहली प्रतिमा है।

बता दें कि इसे एक टूरिस्ट स्पॉट के रूप में घोषित किया जा चुका है। तथा यहां इस मूर्ति के अलावा एक ट्राइबल म्यूजियम, एक गार्डन और बोटिंग फैसिलिटीज की सुविधा भी है। तथा यहां पहुंचने के लिए पैदल रास्ता, फोर लेन हाईवे की सुविधा और इसके पास में ही 52 कमरों का भारत भवन 3 स्टार होटल है। यहां से लोग सरदार सरोवर बांध के अलावा नर्मदा के 17 किमी लंबे तट पर फैली फूलों की घाटी का नजारा देख सकेंगे।

इस प्रतिमा के अनावरण के साथ ही यह चीन के स्प्रिंगफील्ड बुद्धा की 153 मीटर ऊंची मूर्ति प्रतिमा को पीछे छोड़ते हुए आधिकारिक तौर पर दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति बन गई। यह भी माना जाता है कि अमेरिका के 133 साल पुराने 'स्टेचू ऑफ लिबर्टी' को देखने आने वाले पर्यटकों से ज्यादा अब 'स्टेचू ऑफ यूनिटी' को देखने आने वाले पर्यटकों की संख्या हो गई है। शंघाई कॉर्पोरेशन ऑर्गेनाइजेशन द्वारा स्टेचू ऑफ यूनिटी को 8 अजूबों की लिस्ट में शामिल करना, निश्चित रूप से एक प्रेरणा के रूप में काम करेगा।

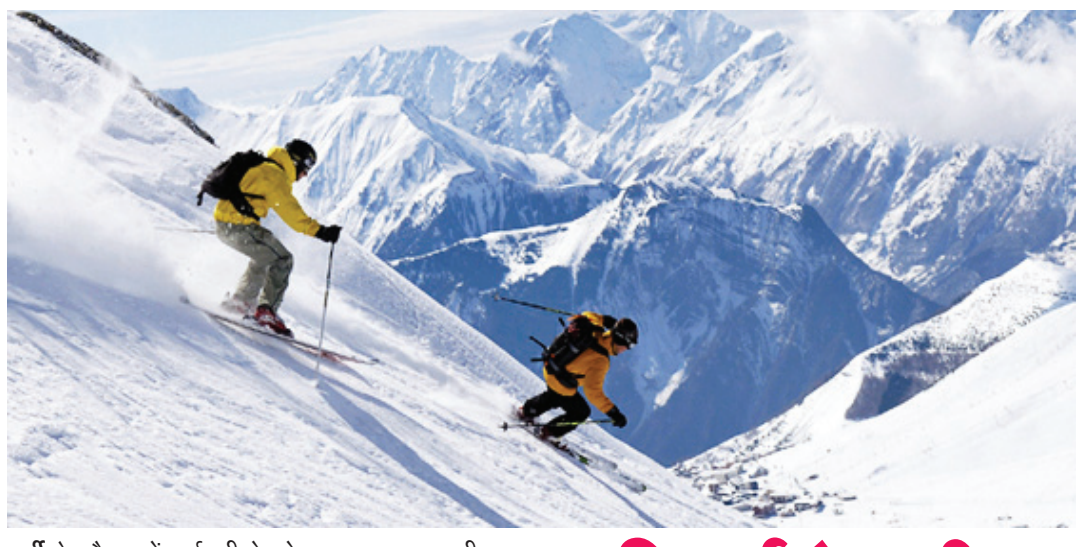

विंटर्स में स्कीइंग का लेना है आनंद तो इन हिल स्टेशनों पर जरूर जाएं

सर्दी के मौसम में बर्फबारी देखने का अपना अलग ही मजा है। आपको भी अगर बर्फबारी देखना और बर्फ में खेलना पसंद है तो आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं जहां आपको चारों तरफ बर्फ ही बर्फ नजर आएगी। बर्फ से ढकी पहाड़ियां और पेड़-पौधे आपका मन मोह लेंगे। यहां आप स्नोमैन बनाना और स्केटिंग जैसी एक्टिविटीज़ भी कर सकते हैं।

औली: औली बेहद शांत और खूबसूरत हिल स्टेशन है यहां आप स्कीइंग का आनंद ले सकते हैं। यह सबसे फेमस स्कीइंग प्लेस है। यहां नंदा देवी, नर पर्वत, माना पर्वत, घोरी पर्वत, नीलकंठ, बीथरटोली और दुनागिरी जैसी बर्फ से ढकी पहाड़ियां आपको एक अलग ही दुनिया में ले जाती हैं। आप अपने साथ किसी अच्छे पेशेवर स्कीयर को ले जा सकते है। आप नवम्बर से मार्च तक औली जा सकते हैं।

तवांग: तवांग में आपको पर्यटकों की कम भीड़ देखने को मिलेगी। यहां आपको चारो और बर्फ की वादियां दिखाई देंगी। तवांग बेहद खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, हरे-भरे जंगलों और खूबसूरत झीलों के लिए भी जाना तवांग में स्कीइंग का मजा लेने के लिए सबसे अच्छी जगह पंगा टेंग त्सो झील या पीटी झील है। तवांग जाने का सबसे अच्छा समय दिसंबर से फरवरी है।

मनाली: एक बहुत ही खूबसूरत हिल स्टेशन है यह हिमांचल प्रदेश में है यहां आपको टूरिस्ट की भीड़ मिलेगी। इसलिए होटल की बुकिंग पहले से ही करा लें। मनाली में आमतौर पर नवम्बर के शुरुआत में ही बर्फबारी होने लगती हैं यहां आप ट्रेकिंग, स्कीइंग और कई तरह की एक्टिविटीज इंजॉय कर सकते है।

शिमला: शिमला आप दिसम्बर से जनवरी तक जा सकते हैंक्योकि इस समय यहां अच्छी बर्फबारी देखने को मिलेगी। यहां आस-पास कुफरी, मनाली, डलहौजी जैसी जगहें हैं जहां आप जा सकते है।

मुनस्यारी: मुनस्यारी अपनी बर्फ़बारी के लिए प्रसिद्ध है फेमस स्कीइंग प्लेस है यह जौहर घाटी केपास है। मुनस्यारी नाम का शाब्दिक अर्थ है 'बर्फ से ढकी जगह'। मुनस्यारी को एक ऐसी जलवायु और इसके प्राकृतिक नज़ारे इसको पर्वतारोहियों, का पसंदीदा स्थान है यहां के ग्लेशियर के प्रति उत्साही और उच्च ऊंचाई वाले ट्रेकर्स के लिए एक अड्डा है। बर्फ से ढकी ढलानें आपके स्कीइंग कौशल को परखने का एक शानदार अवसर प्रदान करती हैं।

गुलमर्ग: गुलमर्ग में आपको चारो तरफ बर्फ नजर आएगी यह देश का सबसे पॉपुलर स्कीइंग प्लेस है। गुलमर्ग सर्दियों में बर्फ से लदी वादियां है और कागज से सफेद बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच खेल का आनंद लेने के लिए बेस्ट प्लेस है। आप गुलमर्ग में दो जगहों से स्कीइंग शुरू कर सकते हैं कोंगडोरी और अपर्वहाट पीक। आप या तो कोंगडोरी की 450 मीटर की ढलान पर स्कीइंग कर सकते

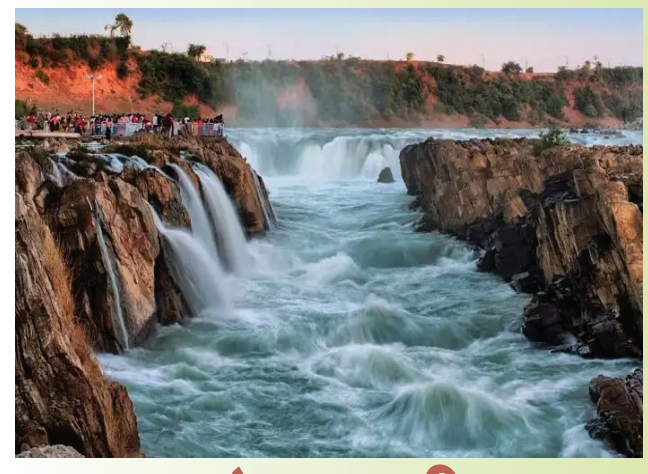

मध्यप्रदेश की 10 रोमांटिक जगह हनीमून के लिए हैं परफेक्ट डेस्टिनेशन

मध्यप्रदेश एक बहुत ही खूबसूरत प्रदेश है। यहां पर प्राकृतिक सुंदरता के साथ ही ऐतिहासिक धरोहरों को भी देखा जा सकता है। इसी के साथ यहां पर क्षिप्रा, नर्मदा के तट पर बस कई पौराणिक और प्राचीन तीर्थ स्थल भी मौजूद हैं। यदि आप हनीमून के लिए जाना चाहते हैं तो मध्य प्रदेश के इन 10 परफेक्ट डेस्टिनेशन पर जा सकते हैं।

1. **पचमढ़ी:** होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी मध्यप्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन है जिसे मध्यप्रदेश का श्रीनगर और स्विटज़रलैंड भी कहा जाता है। रोमांटिक स्थलों में यह टॉप पर है। ऊंचे ऊंचे पहाड़, झील, झरने, गुफाएं, जंगल सभी कुछ हैं यहां पर। राजधानी भोपाल से यहां पहुंचना और रहना बहुत ही आसान और सस्ता है। पचमढ़ी के पास ही अमरकंटक वह स्थान है जहां से नर्मदा नदी का उद्गम हुआ है। हालांकि मानसून में घूमने यहां पर जा रहे हैं तो अपनी रिस्क पर ही जाएं क्योंकि यहां पर पहाड़ी पर ले जानी वाली जीप बंद हो जाती है। आप कुछ स्थानों की यात्रा बाइक से और कुछ की पैदल कर सकते हैं। पंचमढ़ी जा रहे हैं तो पास में ही अमरकंटक जरूर जाएं।
2. **मांडू :** यदि आप ऐतिहासिक स्थलों पर प्री-वेडिंग फोटोशूट करना चाहते हैं तो इंदौर के पास धार के आगे मांडव जाएं। यहां पर राजा महाराजों के महल, बावड़ी, तालाब आदि जगहों पर फोटो शूट कर सकते हैं। यहां पर प्राकृतिक सुंदरता भी भरपूर है। यह स्थान इंदौर से करीब 98 किलोमीटर दूर है।
3. **इंदौर:** इंदौर देश की सबसे स्वच्छ सिटी है। यहां पर लाल बाग पैलेस, राजबाड़ा, रालामंडल, तिंछाफाल, सिरपुर तालाब, बिलावली तालाब आदि जगहों पर फोटो शूट कर सकते हैं। इंदौर के आसपास गंगा महादेव मंदिर, पातालपानी, गुलावत, जामगेट, जानापावा, देवास टेकरी, चोरल नदी डेम, पूनासा डेम आदि जगहों पर जा सकते हैं।
4. **खजुराहो :** मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित विश्वप्रसिद्ध पर्यटन स्थल खजुराहो अपने मंदिरों के लिए प्रसिद्ध। खजुराहो शिल्प के अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय नृत्य समारोह के लिए भी आकर्षण का केंद्र है। इन विश्व प्रसिद्ध मंदिरों का निर्माण चंदेल राजाओं ने सन् 950-1050 के बीच करवाया था। पहले इसका नाम 'खर्जुरवाहक' था। 1986 में यूनेस्को द्वारा इन मंदिरों को 'विश्व धरोहर स्थल' घोषित कर रखा है।
5. **भेड़ाघाट:** जबलपुर के पास भेड़ाघाट बहुत ही शानदार जगह है। दो सफेद पहाड़ों के बीच नर्मदा नदी बहती है। नर्मदा में नौका-विहार करने का रोमांच ही कुछ और है। यहां की खासियत है वॉटर फाल अर्थात जल प्रपात। बहुत ऊंचाई से गिरते धुंआ धुंआ से झरने को देखना आनंददायक होता है।
6. **भोपाल :** भोपाल में बहुत बड़ी झील है जिसे देखने के लिए लोग दूर दूर से आते हैं। बारिश में यह शहर बहुत ही खूबसूरत नजर आता है। इस शहर के पास ही भीम बैठका, अभयारण्य और भोजपुर को देखना न भूलें। यह जहगें बारिश के मौसम में और भी ज्यादा खूबसूरत हो जाती है।
7. **देवास :** यदि आप छोटे शहरों में रोमांटिक लम्हों का आनंद लेना चाहते हैं तो इंदौर के पास देवास बहुत ही सुंदर शहर है जहां पर माताजी की टेकरी के अलावा कई प्राकृतिक स्थलों को देखा जा सकता है। देवास के आसपास कई घने जंगल और पहाड़ियां हैं। आप इस जिले में नर्मदा तट पर बसे नेमावर भी जा सकते हैं।
8. **ओरछा:** अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल और रामराजा की नगरी ओरछा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में भारत से ही नहीं, बल्कि विदेशी सैलानी भी पहुंचते हैं। यहां पर ओरछा के राजाओं द्वारा बनाए गए भव्य मंदिर और स्मारकों को देखना अद्भुत है। बेतवा नदी के तट पर बसे ऐतिहासिक शहर ओरछा की स्थापना 16 वीं शताब्दी में बुंदेला राजपूत प्रमुख रुद्र प्रताप ने की थी।
9. **बांधवगढ़ :** यह स्थल मध्यप्रदेश के उमरिया जिले में स्थित है। यहां जंगल में घूमने का आनंद ही कुछ ओर है क्योंकि यहां बंगाल के टाइगर, सफेद बाघ, लंगूर, हिरण, हाथी, प्राइमेट और अनेक प्रकार के लुप्तप्राय पक्षियों के नजारे आपको देखने को मिलेंगे। यहां हनीमून कपल्स के लिए पार्क के अंदर रुकने के स्थान भी हैं।
10. **अमरकंटक:** भारत के पर्यटन स्थलों में अमरकंटक प्रसिद्ध तीर्थ और नयनाभिराम पर्यटन स्थल है। विंध्य और सतपुड़ा पर्वतमालाओं के बीच 1065 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हरा-भरा होने के साथ-साथ काफी लुभावना भी है। भारत की प्रमुख सात नदियों में से अनुपम नर्मदा का उद्गम स्थल अमरकंटक है और यह मध्यप्रदेश के शहडोल जिले की पुष्पराजगढ़ तहसील के दक्षिण-पूर्वी भाग में स्थित अमरकंटक पवित्र स्थलों में गिना जाता है।

अमेरिका 2022-23 के लिए 64716 अतिरिक्त एच2बी वीजा जारी करेगा

वॉशिंगटन । अमेरिका अस्थायी व्यवस्था के तहत वित्त वर्ष 2022-2023 के लिए अतिरिक्त 64716 एच-2बी वीजा उपलब्ध करा रहा है। अमेरिकी वीजा की यह श्रेणी अकुशल विदेशी कामगारों के लिए होती है। अमेरिकी कदम के पीछे मकसद यह सुनिश्चित करना है कि यहां की कंपनियां अपने व्यस्त सत्र के दौरान अपनी श्रम की जरूरतों के लिए योजना बना सकें। एच-2बी वीजा के द्वारा नियोक्ता गैर-कृषि या अन्य सेवाओं के लिए विदेशी कामगारों से सीमित अवधि के लिए अस्थायी तौर पर रख सकते हैं। हालांकि अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के इस कदम का विशेष असर पड़ने की संभावना नहीं है क्योंकि वीजा के लिए आवेदन देने वाले भारतीयों की संख्या ज्यादा नहीं है। भारतीय आमतौर पर एच-2बी वीजा के लिए आवेदन नहीं देते। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका जाने वाले ज्यादातर भारतीय उच्च कौशल वाले पेशेवर होते हैं जिन्हें अमेरिकी कंपनियां ऐसी विशिष्ट भूमिकाओं जिनमें सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की जरूरत होती है के लिए रखती हैं। इस तरह के आव्रजन के लिए एच-1बी वीजा होता है।

गूगल से राष्ट्रगान खोजने पर चीन का राष्ट्रगान दिखाने को कहूंगा : जॉन ली

हांगकांग । हांगकांग के नेता जॉन ली ने कहा कि वह सर्च इंजन 'गूगल से शहर का राष्ट्रगान खोजने पर प्रदर्शनकारियों के गीत की जगह चीन का राष्ट्रगान दिखाने को कहने वाले हैं। द.कोरिया में एक रग्बी टूर्नामेंट और दुबई में पॉवरलिफ्टिंग प्रतियोगिता सहित कई बड़ी खेल प्रतियोगिताओं में हांगकांग के राष्ट्रगान के तौर पर चीनी राष्ट्रगान 'मार्च ऑफ द वॉलंटियर्स के बजाय देश के लोकतंत्र समर्थकों के गीत 'ग्लोरी टू हांगकांग' बजाए जाने के बाद ली ने बयान दिया है। ली ने कहा इस करने के कई तरीके हैं यह देखना होगा कि क्या कंपनी जिम्मेदारी से काम करती है और वैश्विक संदर्भ में राष्ट्रगान के महत्व का सम्मान करती है या नहीं।' उन्होंने कहा कि वह इस बदलाव के लिए 'गूगल पर दबाव बनाना जारी रखूंगा।' 'गूगल' ने अभी तक इस संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया है।

दुबई में इमारत से गिरकर भारतीय मूल की पांच साल की बच्ची की मौत

दुबई । दुबई के अल कुसैस में एक इमारत से गिरकर भारतीय मूल के पांच वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। खबर के मुताबिक लड़की 10 दिसंबर की रात करीब 9.30 बजे अपार्टमेंट की नौवीं मंजिल से खुली एक खिड़की से गिर गई। पड़ोसी ने कहा यह एक बहुत छोटी सी खिड़की है और एक बच्चे के लिए इसमें प्रवेश करना लगभग शारीरिक रूप से असंभव है। मुझे नहीं पता कि यह कैसे हुआ लेकिन यह बेहद दुखद है उन्होंने कहा बच्ची बहुत प्यारी थी हमेशा मुस्कुराती रहती थी। संयुक्त अरब अमीरात में कागजी लिखा पढ़ी के बाद परिवार बच्ची के अंतिम संस्कार के लिए भारत लाएगा। यूएई में इस साल होने वाली पांच साल की बच्ची की मौत इस तरह की तीसरी दुर्घटना है। पिछले महीने शारजाह में एशियाई मूल के तीन साल के एक बच्चे की मौत अल तावुन इलाके में एक इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने से हो गई थी। फरवरी में शारजाह के किंग फैसल स्ट्रीट पर स्थित एक आवासीय टावर की 32वीं मंजिल से गिरने के बाद एक 10 वर्षीय एशियाई बच्चे की मौत हो गई थी।

सिंगापुर की आर्थिक प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने वाली कंपनियां रख सकेंगी अधिक विदेशी कर्मचारी

सिंगापुर। समुद्र तटीय सिंगापुर की आर्थिक प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने वाली कंपनियों को एक नई योजना के अनुसार अस्थायी रूस से अधिक विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करने की अनुमति होगी। इससे भारतीय कामगारों को फायदा होगा। इस योजना की शुरुआत मंगलवार से हुई है। रणनीतिक आर्थिक प्राथमिकता योजना के तहत सिंगापुर की प्रतिस्पर्धी बनाने वाली कंपनियां अधिक एस-पास (स्पेशल पास) कार्यवीजा धारकों को काम पर रखने के लिए आवेदन कर सकती हैं। अगर इसकी मंजूरी मिल जाती है तो किसी भी पास पर विदेशी कर्मचारियों के लिए उनका कोटा उनके मौजूदा कार्यबल पर पांच प्रतिशत तक बढ़ जाएगा। इसकी अधिकतम सीमा एक बार में दो साल के लिए 50 अतिरिक्त कर्मचारियों की होगी। सिंगापुर मुख्य रूप से भारत बांग्लादेश चीन और फिलिपीन सहित ज्यादातर एशियाई देशों से अपने विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करता है।

ऑस्ट्रेलिया की टेलीकॉम कंपनी टीपीजी पर साइबर अटैक

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया की दूसरे नंबर की सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी टीपीजी ने चौंकाने वाला खुलासा किया। कंपनी के ग्राहकों में चिंता से ज्यादा डर का माहौल है। दरअसल टीपीजी ने बुधवार को बताया कि कंपनी की साइबर सिक्योरिटी एडवाइजर कंपनी मैंडिएंट ने जानकारी दी है कि उस पर एक बड़ा साइबर अटैक हुआ है। इस अटैक में कंपनी के 15 हजार ग्राहकों के ईमेल अकाउंट को हैक करने की कोशिश की गई है। ये कस्टमर्स के कॉर्पोरेट अकाउंट्स थे और इस अटैक के जरिए हैकर्स कस्टमर्स की क्रिप्टोकरेंसी के साथ ही फाइनेंशियल इंफॉर्मेशन को हैक करने की कोशिश कर रहे थे। टेलीकॉम कंपनी टीजीपी का कहना है कि इस अटैक के बाद कंपनी सतर्क हो गई है और इस हैक को रोकने के लिए तत्काल काम शुरू किया गया था। इसके साथ ही उन सभी ग्राहकों से संपर्क किया जा रहा है जिनके खातों पर हैक की कोशिश की गई है। इस हैक की सूचना के साथ ही कंपनी को एक और बड़ा झटका लगा है। टीजीपी के शेयर हैक की इस कोशिश के बाद 2.4 प्रतिशत तक गिरे और 4.95 ऑस्ट्रेलियन डॉलर पर आ गए। हालांकि शेयर गिरने के संबंध में कंपनी ने कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया की कंपनियां लगातार साइबर हमलों का शिकार हो रही हैं इतना ही नहीं इसमें तेजी से भी देखने को मिली है। रिपोर्ट के अनुसार साइबर अपराधियों ने पिछले फाइनेंशियल ईयर में लगातार कंपनियों को निशाना बनाया और हमलों में बड़ा उछाल देखने को मिला है।

किंशासा में भारी बारिश के बाद आई बाढ़ और भूस्खलन से 120 से ज्यादा लोगों की मौत

किंशासा। कांगो की राजधानी किंशासा में भारी बारिश के बाद आई बाढ़ और भूस्खलन से 120 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। यहां के हालात यह हैं कि पुरे इलाके में और घरों में मिट्टी वाला पानी भर गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा है कि एन1 हाईवे को 3-4 दिनों के लिए बंद भी किया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार टोल अभी और बढ़ सकता है। स्वास्थ्य मंत्री ज्यां-जैक्स म्बुंगानी म्बांडा ने बताया कि मंत्रालय ने 141 मृतकों की गिनती की हुई थी लेकिन अन्य विभागों के साथ इस संख्या को क्रॉस-चेक करने की आवश्यकता थी। कांगो सरकार के प्रवक्ता पैट्रिक मुयाया द्वारा ट्विटर पर पोस्ट की गई तस्वीरों में एक बड़ी सड़क दिखाई दे रही है जो एक गहरी खाई में धंस गई है। स्थानीय निवासी गेब्रियल एमबीकोलो ने कहा नेशनल रोड 1 पर एक बड़ा गड्ढा है। कांगो नदी के तट पर मछली पकड़ने का गांव किंशासा लगभग 150 लाख की आबादी रहती है। यह अफ्रीका के सबसे बड़े मेगासिटी में से एक बन गया है। तेजी से शहरीकरण ने बारिश के बाद अचानक आने वाली बाढ़ के लिए शहर को कमजोर बना दिया है जो जलवायु परिवर्तन के कारण हुआ है। 2019 में किंशासा में कम से कम 39 लोगों की मौत हो गई जब मूसलाधार बारिश से निचले इलाकों में बाढ़ आ गई थी और कुछ इमारतें और सड़कें गिर गईं थी।

पेटागन ने कहा भारत और चीन को विवादित सीमाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना चाहिए

वाशिंगटन। अमेरिका के बाइडेन प्रशासन ने कहा है कि वह भारत और चीन को उनकी विवादित सीमाओं से जुड़े मुद्दों पर मौजूदा द्विपक्षीय माध्यमों के द्वारा चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करता है। हालांकि अमेरिका ने कहा कि वह स्थापित वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सीमा पार से क्षेत्र पर दावे के किसी भी एकतरफा प्रयास'' का कड़ा विरोध करता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव ने कहा हम इस खबर से खुश हैं कि दोनों पक्षों ने झड़प रोक दी है। हम स्थिति पर करीबी नजर बनाए हैं।

चीन में कोरोना संक्रमण के बीच ही चिकित्साकर्मी एक मरीज को फीवर क्लीनिक ले जाते हुए।

भारत की गंगा परियोजना प्राकृतिक दुनिया को बहाल करने की 10 प्रमुख पहलों में शामिल

मॉन्ट्रियल। संयुक्त राष्ट्र जैवविविधता सम्मेलन (सीओपी15) के दौरान मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की पवित्र नदी गंगा के मैदानी हिस्सों की सेहत सुधारने के उद्देश्य वाली परियोजना दुनियाभर की उन 10 ''बड़ी महत्वपूर्ण'' पहलों में से एक है जिसे संयुक्त राष्ट्र ने प्राकृतिक दुनिया को बहाल करने में उनकी भूमिका के लिए पहचाना है। कनाडा के मॉन्ट्रियल में जैव विविधता पर संयुक्त राष्ट्र की संधि के लिए पक्षकारों के सम्मेलन की 15वीं बैठक (सीओपी15) चल रही है। इन परियोजनाओं को संयुक्त राष्ट्र द्वारा परामर्श और वित्त पोषण दिया जाएगा। इन्हें पारिस्थतिकी बहाली पर संयुक्त राष्ट्र दशक के बैनर तले चुना गया है जो संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा समन्वित वैश्विक आंदोलन है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इसे धरती के प्राकृतिक स्थानों के क्षरण को रोकने के लिए बनाया गया है। उसने कहा कि इन 10 परियोजनाओं का उद्देश्य 6.8 करोड़ हेक्टेयर से अधिक प्राकृतिक स्थान को बहाल करना है। यह क्षेत्र म्यांमा, फ्रांस या सोमालिया से बड़ा है। यूएनईपी के कार्यकारी निदेशक इंगर एंडरसन ने कहा, ''प्रकृति के साथ हमारे संबंधों में बदलाव, जलवायु संकट, प्रकृति और जैवविविधता के क्षरण, प्रदूषण तथा कचरे के तिहरे संकट से निपटने के लिए अहम है।''

भारत- चीन विवाद में अमेरिका की 'एंट्री', ड्रैगन के खिलाफ यूएस खुलकर आया इंडिया के साथ

बीजिंग (एजेंसी)। वाशिंगटन। भारत और चीन के बीच तंवाग में हुई झड़प के बाद यह दो देशों के बीच आंतरिक लड़ाई जियो पॉलिटिक्स की सुर्खियों में शामिल हो गयी हैं। अरूणाचल प्रदेश में लगातार चीन एलएसी पर टेंशन क्रिएट करने की कोशिश कर रहा हैं। तंवाग को हमेशा से तिब्बत का हिस्सा कहने वाले चीन ने चोरी से 600 सैनिकों को भेट कर वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को पार करने की कोशिश में था लेकिन चीनियो को भारतीय जवानों ने खडेद दिया। अब दोनों देशों के प्रमुखों द्वारा इस मुद्दे पर बातचीत की जा रही है ताकि शांति से इन मुद्दे को सुलझाया जा सकें। ऐसे में अमेरिका ने भी अपनी बात तंवाग मुद्दे पर रखी हैं। अमेरिका ने भारत का साथ देते हुए एक बयान जारी किया हैं। अमेरिका और भारत एक गहरा रिश्ता साझा करते हैं। देशों के बीच काफी अच्छे संबंध है वहीं चीन के साथ अमेरिका की दूरियां काफी बढ़ गयी हैं।

भारत- चीन विवाद में अमेरिका की 'एंट्री'

अमेरिका ने कहा है कि वह भारत और चीन को उनकी विवादित सीमाओं से जुड़े मुद्दों पर मौजूदा द्विपक्षीय माध्यमों के जरिए चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करता है। हालांकि अमेरिका ने साथ ही कहा कि वह स्थापित वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सीमा पार से क्षेत्र पर दावे के किसी भी ''एकतरफा

प्रयास'' का कड़ा विरोध करता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन ज्यां-पियरे ने मंगलवार को अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' हम इस खबर से खुश हैं कि दोनों पक्षों ने झड़प रोक दी है। हम स्थिति पर करीबी नजर बनाए हैं।''

भारत और चीन के बीच फिर से विवाद

भारत और चीन के सैनिकों के बीच नौ दिसंबर को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर हुई झड़प पर ज्यां-पियरे से सवाल किया गया था। उन्होंने कहा, '' हम विवादित सीमाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मौजूदा द्विपक्षीय माध्यमों का इस्तेमाल करने के लिए भारत और चीन को प्रोत्साहित करते हैं। हम यह देखकर खुश हैं कि फिलहाल झड़प थम गई है।'' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को संसद को बताया था कि चीन के सैनिकों ने नौ दिसंबर को तवांग सेक्टर में यांग्त्से क्षेत्र में यथास्थिति बदलने का एकतरफा प्रयास किया जिसका भारत के जवानों ने दृढ़ता से जवाब दिया और उन्हें लौटने के लिए मजबूर कर दिया। सिंह ने लोकसभा और राज्यसभा में अपने बयान में कहा, ''चीन के सैनिकों के हमारे क्षेत्र में अतिक्रमण के प्रयास का भारतीय सेना ने दृढ़ता से सामना किया और उन्हें लौटने पर मजबूर कर दिया। झड़प में दोनों सेनाओं के कुछ सैनिक घायल हो गए।''

अमेरिका ने चीन को दिया कड़ा संदेश

इस बीच, अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने पत्रकारों से कहा कि भारत और चीन के बीच उत्पन्न स्थिति पर अमेरिका करीबी नजर बनाए है। प्राइस ने कहा, '' हम इस खबर से खुश हैं कि दोनों पक्षों ने तुरंत ही झड़प रोक दी है। मेरे पास इस हालिया झड़प पर बताने को कुछ नहीं है लेकिन हम स्थिति पर करीबी नजर बनाए रखेंगे और अपने भारतीय समकक्षों के साथ संपर्क में हैं।'' उन्होंने दोहराया कि भारत, क्वाड और अन्य बहुपक्षीय मंचों में अमेरिका का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने भी कहा कि वह वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत-चीन सीमा पर हालिया गतिविधियों पर करीबी नजर बनाए है। गौरतलब है कि यह झड़प ऐसे समय में हुई है, जब भारत और चीन के बीच मई 2020 में पैंगोंग झील क्षेत्र में हिंसक झड़प से शुरू हुए पूर्वी लद्दाख सीमा गतिरोध का हल निकालने के लिए दोनों देश कमांडर स्तर की 16 दौर की बातचीत कर चुके हैं।

भारत के अगले राजदूत के तौर पर एरिक गार्सेटी के नामांकन का सांसद ग्रासली ने किया विरोध

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी सांसद चक ग्रासली ने भारत के अगले राजदूत के तौर पर एरिक गार्सेटी के नामांकन का विरोध करते हुए साथी सांसदों से भी यही रुख अख्तियार करने की अपील की है। गार्सेटी (51) के कार्यालय के एक कर्मचारी पर यौन उत्पीड़न के ''गंभीर आरोप'' लगाए गए हैं। सीनेट में मंगलवार को ग्रासली का यह बयान ऐसे समय में आया, जब व्हाइट हाउस भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में गार्सेटी के नाम की पुष्टि करने के अपने प्रयासों को तेज कर रहा है। भारत में अमेरिकी राजदूत का पद करीब दो साल से रिक्त है। लॉस एंजिलिस के पूर्व मेयर गार्सेटी को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का करीबी माना जाता है। ग्रासली ने कहा, '' भारत के राजदूत के तौर पर एरिक गार्सेटी के नामांकन का मैं कड़ा विरोध करता हूं। मैं लॉस एंजिलिस में उनके कार्यकाल के दौरान लगाए गए यौन उत्पीड़न और नस्लीय भेदभाव के गंभीर आरोपों के मद्देनजर गार्सेटी के खिलाफ वोट करने को मजबूर हूं।'' अमेरिकी सीनेट के अस्थायी अध्यक्ष ग्रासली ने अपने साथी सांसदों से कहा कि मेयर के तौर पर गार्सेटी के अपने कार्यालय में कई कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न की बात से वाकिफ होने और अपने उप चीफ ऑफ स्टाफ रिक जैकब्स की ऐसी गतिविधियों को नजरअंदाज करने जैसे गंभीर आरोपों को लेकर कई व्हिसलब्लोअर ने उनके कर्यालय से संपर्क किया था। ग्रासली ने कहा कि उन्हें और उनके सहकर्मियों को इन आरोपों को गंभीरता से लेना चाहिए था। उन्होंने कहा, '' मैं होशो हवास में तो उनके समर्थन में वोट नहीं कर सकता। मैं अपने साथी कर्मियों से भी मेरी जांच में सामने आए सबूतों और मीडिया में आई खबरों पर गौर करने की अपील करता हूं। तथ्यों और सबूतों के आधार पर मैंने उनके समर्थन में वोट न करने का फैसला किया है और उम्मीद करता हूं कि मेरे सहकर्मी भी ऐसा ही करेंगे।''

जनवरी में होने हैं चुनाव, ऋषि सुनक के सामने आई बड़ी मुसीबत, सता रहा हार का डर

लंदन (एजेंसी)। कुछ ही महीने पहले नाटकीय घटनाक्रम में पहले लिज ट्रस से पिछड़ने और फिर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद अब ऋषि सुनक के सामने नई मुसीबत आ गई है। जनवरी 2025 में ब्रिटेन में आम चुनाव होने हैं और कंजर्वेटिव पार्टी की इमेज कमजोर नजर आ रही है। सावंता द्वारा किए गए सर्वे के अनुसार ऋषि सुनक अपनी ब्रिटेन की संसदीय सीट को आम चुनाव में गंवा सकते हैं। इसके अलावा विपक्षी लेबर पार्टी को प्रधानमंत्री के सत्तारूढ़ कंजरवेटिव से 20 अंक आगे दिए गए हैं।

सावंत ने एक बयान में कहा कि लेबर 314 सीटों के बहुमत के साथ आ सकती है। सावंत ने एक बयान में कहा कि कीर स्टारर की पार्टी को 48त पर टोरी को 28त वोट मिल सकते है। यॉर्कशायर में सुनक के निर्वाचन क्षेत्र और लिंकनशायर के उत्तर में अन्य सभी सीटों सहित, रूढ़िवादी लगभग 300 सीटों गंवा सकते हैं। सावंता ने 2 दिसंबर से 5 दिसंबर के बीच 6,237 ब्रिटिश नागरिकों से बातचीत के आधार पर ये डेटा तैयार किया है। सर्वे में लेबर को कंजर्वेटिव पर दिखाई गई बढ़त को इस अर्थ को जोड़ देगा कि सुनक को जनवरी 2025 तक होने वाले आम चुनाव से पहले सत्ताधारी पार्टी की किस्मत को सुधारने के लिए काफी मशक्कत करनी पडेगी।

कंजर्वेटिव पार्टी की लोकप्रियता कमजोर होती जा रही है। खराब अर्थव्यवस्था का जो बोझ पीएम सुनक को विरासत में मिला था वो उनके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। टोरी ब्रांड इस साल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त होता नजर आ रहा है। सांसदों ने सुनक के पूर्ववर्ती, लिज़ ट्रस सहित दो प्रधानमंत्रियों को बाहर का रास्ता दिखाया। बता दें कि कंजर्वेटिव पार्टी साल 2010 से ब्रिटेन की सत?ता में है और चार बार आम चुनावों में जीत हासिल कर चुकी है।

तवांग में भारत-चीन झड़प पर जर्मनी के राजदूत ने कहा- 'बेहद चिंतित' हैं

ढाका (एजेंसी)। जर्मन राजदूत फिलिप एकरमैन ने एक साक्षात्कार में कहा कि अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच संघर्ष चिंता का विषय है और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। एकरमैन ने यह भी रेखांकित किया कि भारत और जर्मनी पिछले सप्ताह जर्मन विदेश मंत्री अनालेना बेयरबॉक की भारत यात्रा के बाद चीन और रूस के मुद्दे पर शीर्ष स्तर पर निकट संपर्क में रहने पर सहमत हुए हैं।

विदेश मंत्री अन्नालेना बेयरबॉक की यात्रा के पीछे, 2023 के लिए भारत-जर्मनी संबंधों की प्राथमिकताएँ क्या हैं जैसे सवाल पर जर्मन राजदूत ने कहा कि मेरी समझ से हम विदेश मंत्री की बहुत सफल यात्रा की ओर देख रहे हैं। जैसा कि आप जानते हैं, उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ गहन बैठक की, और कुछ अन्य बहुत ही दिलचस्प बैठकें कीं। यात्रा के केंद्र में विदेश मंत्री के साथ चर्चा थी। प्राथमिकताओं के रूप में तीन बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान की गई।

फिलिप एकरमैन ने बताया कि पहला वह है जिसे हम हरितऔर सतत विकास के लिए साझेदारी करते हैं। भारत में सहयोग के लिए जर्मनी जो कुछ भी करता है वह जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण, जैव-विविधता [और] स्मार्ट सिटी स्थिरता से जुड़ा है। यह ऐसी चीज है जो हमारे एजेंडे में बहुत ऊपर है और यह भारतीय एजेंडे में भी है। भविष्य में इन मामलों पर सहयोग पर पूर्ण सहमति थी। भारत के लिए जर्मन पोर्टफोलियो अगले 10 वर्षों में लगभग €1.5 बिलियन प्रति वर्ष है। यह काफी बड़ा योगदान है और हम इसके साथ जो करते हैं वह वास्तव में एक उल्लेखनीय तरीके से अनुकरणीय है।

फिर एक रणनीतिक भू-राजनीतिक प्राथमिकता है, वह है चीन और रूस। मुझे लगता है कि दोनों मंत्री इन दो क्षेत्रों पर शीर्ष स्तर पर निकट संपर्क में रहने के लिए सहमत हुए, जहां मुझे लगता है कि हमारे विश्लेषण में, जब चीन की बात आती है, तो हम बहुत ध्यान से सुन रहे हैं कि भारत क्या कहना

चाहता है। हमें लगता है कि भारत के पास चीन पर कहने के लिए बहुत कुछ है और मुझे लगता है कि हमारे विश्लेषण में बहुत अधिक ओवरलैप है। उसके बाद यूक्रेन में रूस के आक्रामकता के युद्ध पर उनके बीच बहुत उपयोगी चर्चा हुई। तो यह भी एक प्राथमिकता है। तीसरी प्राथमिकता जी20 की अध्यक्षता है। हम इस राष्ट्रपति पद को सफल बनाने के लिए हर संभव मदद करने के लिए तैयार हैं। मुझे लगता है कि भारतीय पक्ष अब तक हर चीज में सबसे ऊपर साबित हुआ है। मुझे लगता है कि यह एक बहुत अच्छी तरह से संगठित, तेल से सना हुआ मशीन है जो जी20 को आगे बढ़ाएगा।

चीन में फिर से बढ़ने लगे कोरोना के मामले

बीजिंग । चीन में एक फिर से कोरोना के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। यहां के मेडिकल स्टोरों पर मरीजों की लंबी-लंबी कतारें देखी जा सकती है। यहां दवाओं का शार्टेज हो गया है। बीजिंग के निवासियों ने सर्दी की दवाओं के खत्म होने और फार्मेसियों में लंबी लाइनों की शिकायत की है। जबकि चीनी सर्च इंजन बैदू के मुताबिक बुखार कम करने वाले इबुप्रोफेन की सर्च पिछले हफ्ते में 430 प्रतिशत बढ़ी है। तेजी से बढ़ते एंटीजन टेस्ट और दवाओं की बढ़ती मांग ने ज्यादा दाम के साथ एक बड़ा काला बाजार तैयार कर दिया है। दवाओं के खरीदार 'डीलरों' से सामान लेने के लिए किसी सहारे की खोज कर रहे हैं। जिनकी जानकारी वीचैट ग्रुप्स में भेजी जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राजधानी बीजिंग में बाजार नियामक अफसर ज्यादा दाम पर टेस्ट किट बेचने वाले दुकानदारों पर 300000 युआन (43000 डॉलर) का जुर्माना लगाने के साथ उसके बिजनेस पर रोक लगा रहे हैं। ऐसे में चीन में बुखार से पीड़ित लोगों ने अब इलाज के घरेलू नुस्खों को अपनाना शुरू कर दिया है। सोशल मीडिया यूजर्स अपने-अपने घरेलू इलाज को शेयर कर रहे हैं। जिससे दूसरे लोग भी उनका फायदा उठा सकें। चीन में अभी तक लाखों कमजोर बुजुर्गों का भी पूरी तरह से टीकाकरण नहीं हुआ है। जबकि अस्पतालों में कोविड संक्रमित रोगियों की आने वाली संख्या से निपटने के लिए संसाधनों की भारी कमी है।

काबुल में अपने नागरिकों पर हुए हमले से घबराया चीन, कहा- जितनी जल्दी हो सके अफगानिस्तान छोड़ भागो

बीजिंग (एजेंसी)। ज्यादा दिन नहीं बीते होंगे यही कोई एक बरस का वक्त जब अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान का शासन कायम हुआ था। उस वक्त चीन तालिबानी शासन के आने से काफी खुश नजर आया था। लेकिन साल बीतते बीतते अफगानिस्तान में चीन की ऐसी हालात होती नजर आ रही है कि उसे अपने नागरिकों से जितनी जल्दी हो सके काबुल छोड़ने के लिए कहना पड़ रहा है। चीनी सरकार ने 13 दिसंबर को अफगानिस्तान में रहने वाले अपने नागरिकों से ÷जितनी जल्दी हो सके÷ देश छोड़ने का आग्रह किया। चीन की तरफ से ये बयान काबुल के एक होटल पर हुए भयानक हमले के बाद आया है।

अफगानिस्तान के तालिबान शासकों के लिए चीन की तरफ से जारी ये एडवाइजरी एक बड़ा झटका माना जा रहा है। तालिबान के शासकों की तरफ से अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था को बर्बाद होने से बचाने के लिए विदेशी निवेश आकर्षित करने की योजना है। चीन ने तालिबान सरकार की सहायता के लिए लाखों डॉलर का पैकेज भी दिया

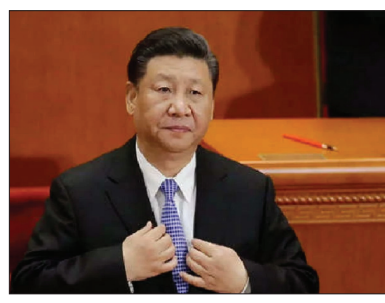

था। इसके एवज में तालिबान सरकार ने चीन को कई खदानों की लीज प्रदान की थी। गौरतलब है कि करीब एक साल पहले तालिबान ने फिर से अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा कर लिया था।

12 दिसंबर को हथियारबंद लोगों ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक होटल के अंदर गोलियां चलाईं, जहां अक्सर चीनी और अन्य विदेशियों का आना-जाना लगा रहता है। इलाके के निवासियों ने कहा कि हमला एक ऐसे होटल में किया गया जहां आमतौर पर चीनी और अन्य विदेशी ठहरते हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने बताया कि काबुल के एक होटल पर हुए हमले में पांच चीनी नागरिक घायल हो गए। चीन ने मामले की जांच और 'हमलावरों' के लिए कड़ी सजा की भी मांग की। इसके साथ ही काबुल में चीनी स्वामित्व वाले एक होटल पर आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के हमले के बाद चीन ने अपने नागरिकों को यथाशीघ्र अफगानिस्तान छोड़ने की सलाह दी है।

रूस का 2022 के अंत तक सैनिक वापसी से इंकार

-यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का शांति प्रस्ताव किया खारिज

मास्को। साल 2022 के अंत तक यूक्रेन से सैनिक वापसी से रूस ने साफ इंकार कर दिया है। साथ ही रूस ने यूक्रेन के शांति प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया। शांति का यह प्रस्ताव यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की द्वारा दिया गया था। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेसकोव ने कहा कि यूक्रेन को वास्तविकताओं में रूस के चार यूक्रेनी क्षेत्रों को नए रूप में शामिल करना होगा जिसकी घोषणा सितंबर में की गई थी। हालांकि संयुक्त राष्ट्र के अधिकांश देशों ने अवैध के रूप में इसकी निंदा की थी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने 13 दिसंबर को कहा कि कीव को नई क्षेत्रीय 'वास्तविकताओं' को स्वीकार करने की आवश्यकता है। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की द्वारा एक शांति प्रस्ताव को खारिज कर दिया जिसमें रूसी सैनिकों की वापसी शामिल होगी। पेसकोव के अनुसार इन तथाकथित 'वास्तविकताओं' में रूस के चार यूक्रेनी क्षेत्रों - यूक्रेन के जापोरिज्जिया डोनेट्स्क लुहान्स्क और खेरसन ओब्लास्ट शामिल हैं। दमित्री पेसकोव ने यूक्रेन द्वारा जी-7 देशों के नेताओं से अधिक सैन्य उपकरण वित्तीय सहायता और ऊर्जा सहायता की मांग को भी उठाया।

उन्होंने कहा कि यूक्रेन के इस कदम से दोनों देशों के बीच शत्रुता जारी रहेगी। क्रेमलिन ने प्रस्तावित रूसी सैनिकों की वापसी पर कहा कि यूक्रेन को वास्तविक स्थिति को समझने की जरूरत है।

केंद्र ने राज्यसभा में बताया 3 सालों में 9 कश्मीरी पंडितों की घाटी में जान गई

-जम्मू और कश्मीर की पुलिस पर 2814.095 करोड़ रुपए खर्च किए

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार द्वारा लगातार प्रयास हो रहे हैं। इस कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले 3 सालों में जम्मू और कश्मीर की पुलिस पर 2814.095 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। वहीं 3 सालों में 9 कश्मीरी पंडितों की घाटी में जान गई है। गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में बुधवार को इसकी जानकारी दी। राय ने राज्यसभा में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि संघ राज्य क्षेत्र जम्मू और कश्मीर की सुरक्षा के लिए विभिन्न एजेंसियां और संगठन कार्य करते हैं। हालांकि पिछले तीन वर्षों में गृह मंत्रालय द्वारा जम्मू और कश्मीर की पुलिस पर किए गया सुरक्षा संबंधी व्यय 2814.095 करोड़ रुपए है। राय ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2019-2020 में 1267 करोड़ 2020-21 में 611 करोड़ और 2021-22 में गृह मंत्रालय ने जम्मू कश्मीर की सुरक्षा में 936.095 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। वहीं आतंकवादी हमलों में काफी गिरावट आई है जो वर्ष 2018 में 417 से घटकर वर्ष 2021 में 229 हो गई है। मोदी सरकार ने बताया कि पिछले 3 सालों के दौरान घाटी में कुल 9 कश्मीरी पंडितों ने आतंकवादी घटनाओं में अपनी जान गंवाई है। आंकड़ों के मुताबिक साल 2020 में 1 कश्मीरी पंडित की जान गई वहीं 2021 में 4 और इस साल 2022 में भी अब तक 4 कश्मीरी पंडित मारे जा चुके हैं। सरकार ने अपने जवाब में बताया कि जम्मू और कश्मीर में नागरिकों के जीवन की रक्षा के लिए सरकार द्वारा कई उपाय किए गए हैं।

घाटी में आंतकबाद अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका : डीजीपी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अपने अंतिम चरण में है। ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान की ड्रोन साजिशें नहीं हो रही हैं या फिर उसकी ओर से घुसपैठ बंद हो गई है लेकिन जिस तेजी के साथ हर ड्रोन साजिश को विफल किया जा रहा है और हर घुसपैठिए को उड़ा दिया जा रहा है उससे आतंकवाद के हौसले पस्त हुए हैं। जम्मू-कश्मीर की नई पहचान आज हर घर तिरंगा रोजगार मेले राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं के आयोजन सिनेमाघर शॉपिंग मॉल पर्यटकों की भीड़ और वंचित तथा पिछड़े समाज को अधिकार मिलना हो गयी है। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर वासियों को केंद्र सरकार की हर योजना का लाभ भी लगातार मिल रहा है। बता दें कि डीजीपी दिलबाग सिंह ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में इस साल अभी तक सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 56 विदेशी आतंकवादी मारे गए हैं। उन्होंने बताया है कि इस साल आतंकवादी संगठनों में शामिल होने वाले 107 स्थानीय युवाओं में से 86 मारे गए हैं। आतंकवादी संगठनों द्वारा जारी जान से मारने की धमकियों को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (आईएसआई) और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली उसकी एजेंसियों की करतूत बताते हुए दिलबाग सिंह ने कहा कि डरने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि इस तरह के फरमान जारी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। खालिस्तानी और कश्मीरी आतंकवादियों के बीच संबंध के बारे में पूछने दिलबाग सिंह ने कहा उनकी मां एक है वह पाकिस्तान है। दिलबाग सिंह ने कहा कि ड्रोन से हथियार गिराना एक बड़ी चुनौती है और पुलिस कुछ मामलों को सुलझाने में सफल रही है। उन्होंने कहा ''आईईडी और अन्य चीजें बरामद की गई हैं और हम इससे प्रभावी ढंग से निपटने की कोशिश कर रहे हैं।

एम्स सर्वर अटैक : चीन ने हैक किया था एम्स का सर्वर, ओपीडी का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन बहाल

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के सर्वर पर चीनी हैकर्स द्वारा अटैक किया गया था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि सर्वर अटैक की कोशिश चीन से ही हुई थी। शीर्ष सरकारी सूत्रों ने खुलासा किया है कि दिल्ली में एम्स के सर्वर को चीनियों ने हैक कर लिया था।

अधिकारियों ने दावा किया कि 100 सर्वरों (40 भौतिक और 60 आभासी) में से, पांच भौतिक सर्वरों को हैकर्स द्वारा सफलतापूर्वक घुसपैठ कर लिया गया। सूत्रों के मुताबिक, नुकसान और भी ज्यादा होता, लेकिन समय रहते दखल देकर इसे टाल दिया गया। नवंबर में नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई थीं। अस्पताल द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला सर्वर करीब नौ घंटे तक डाउन रहा था। एम्स द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि संभावित रैंसमवेयर हमले के कारण सर्वर डाउन था। हैकर्स ने कथित तौर पर एम्स से क्रिप्टोकरेंसी में अनुमानित 200 करोड़ रुपये की मांग की थी। उल्लंघन का पता चलने के कारण लगभग 3-4 करोड़ रोगियों के डेटा से समझौता किए जाने की आशंका थी। सर्वर डाउन रहने के कारण आपातकालीन, आउट पेशेंट, इनपेशेंट और प्रयोगशाला विंग में रोगी देखभाल सेवाओं को मैन्युअल रूप से प्रबंधित किया गया।

झारखंड और पश्चिम बंगाल में 20 से ज्यादा जगहों पर आयकर विभाग की छापेमारी

नई दिल्ली । आयकर विभाग ने दो राज्यों में बड़ी कार्रवाई की है। आईटी डिपार्टमेंट ने झारखंड और पश्चिम बंगाल में 20 से ज्यादा जगहों पर एक साथ छापेमारी की हैं। बताया जा रहा है कि मोंगिया स्टील और सलूजा स्टील कंपनी से जुड़े कई निदेशकों के ठिकानों पर छापे मारे जा रहे हैं। इनकम टैक्स से जुड़े सूत्रों ने बताया कि झारखंड के रांची गिरिडीह देवघर सहित अन्य जगहों पर छापे मारे गए हैं। वहीं कोलकाता में चार जगहों पर आयकर विभाग की टीम छापेमारी कर रही है। पश्चिम बंगाल और झारखंड में एक साथ छापेमारी से हर तरफ हलचल होने लगी। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से आयकर विभाग की टीम लगातार देश के कई हिस्सों में छापेमारी कर रही है। बताया जा रहा है कि आयकर विभाग की टीम गुनवंत सिंह मोंगिया और बलविंदर सिंह के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। स्टील कंपनियों और उनके निदेशकों सहित अन्य अधिकारियों पर टैक्स चोरी का आरोप है। आरोपों की प्रारंभिक छानबीन के बाद छापे मारे जा रहे हैं। कोलकाता में चार जगहों पर छापे मारे गए हैं। वहीं झारखंड के कई जिलों में एक साथ आयकर विभाग की टीम ने छापे मारे हैं। देवघर में भी आयकर विभाग की टीम पहुंची है। देवघर के तिवारी चौक स्थित एक मकान पर आईटी डिपार्टमेंट की टीम ने छापा मारा है। छापा मारने की कार्रवाई सुबह 8 बजे से ही जारी है। बताया जा रहा है कि गिरिडीह में मोंगिया सरिया कंपनी में बतौर अकांटेंट काम करने वाले एक शख्स के ठिकाने को आयकर विभाग की टीम खंगाल रही है।

सिद्धू मूसेवाला केस को सुलझाने वाले स्पेशल सेल के अधिकारियों को वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई

नई दिल्ली। गायक सिद्धू मूसेवाला केस को सुलझाने वाले स्पेशल सेल के अधिकारियों को वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। इन अधिकारियों के घर पर 24 घंटे सुरक्षा रहेगी। गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भी सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड को सुलझाने में काफी योगदान दिया था। इसके बाद स्पेशल सेल में तैनात उन 12 अधिकारियों की सुरक्षा में इजाफा किया गया है जो इस केस के खुलासे में शामिल थे। इनमें स्पेशल सेल के स्पेशल सीपी एचजी एस धालीवाल डीसीपी स्पेशल सेल मनीषी चंद्र डीसीपी राजीव रंजन के लिए वाई श्रेणी की सुरक्षा को मंजूरी दी गई है। अब इनके घर पर 24 घंटे सुरक्षा तैनात रहेगी। इसके अलावा मर्डर केस को सुलझाने में तैनात बाकी पुलिसकर्मियों की सुरक्षा भी बढ़ाई गई है। इनके साथ एक कमांडो हर पल मौजूद रहेगा। इन पुलिसकर्मियों के नाम हैं एसीपी ललित नेगी एसीपी हृदय भूषण एसीपी वेद प्रकाश एसीपी राहुल विक्रम इंस्पेक्टर रविंद्र जोशी इंस्पेक्टर सुनील कुमार इंस्पेक्टर विक्रम दहिया इंस्पेक्टर निशांत दहिया और इंस्पेक्टर विनोद कुमार। पंजाब के गैंगस्टर हरविंदर रिंडा के सहयोगी लखबीर लांडा ने सोशल मीडिया के जरिए स्पेशल सेल के अधिकारियों को धमकी दी थी और कहा था कि 'अगर हम आपको गलियों में देखेंगे तो अच्छा नहीं होगा।' इसके अलावा यह भी धमकी दी गई थी कि स्पेशल सेल का कोई भी अधिकारी पंजाब में प्रवेश न करे। माना जा रहा है कि स्पेशल सेल के इन अधिकारियों पर हमले की योजना हो सकती है।

बिहार: जहरीली शराब से मौत के सवाल पर गुस्से से लाल हुए नीतीश, विधानसभा में फिर खोया आपा

मुंबई (एजेंसी)। बिहार में नीतीश कुमार के सरकार को भाजपा जबरदस्त तरीके से घेरने की कोशिश कर रही है। बिहार विधानसभा का शीतकालीन सत्र चल रहा है। जानकारी के मुताबिक बिहार के छपरा में 24 घंटे के भीतर 12 लोगों की संदिग्ध मौत हो गई है। आशंका इस बात की है कि जहरीली शराब के सेवन की वजह से इन लोगों की जान गई है। इसी को भाजपा ने बड़ा मुद्दा बना लिया है। भाजपा विधायकों ने विधानसभा के बाहर प्रदर्शन भी किया। वहीं, सदन के भीतर नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बीच जबरदस्त तरीके से भिड़ंत भी हो गई। मामला तुम-तड़ाक तक भी पहुंच गया। भाजपा का आरोप है कि मुख्यमंत्री ने तुम-तड़ाक में बात की। भाजपा की ओर से माफी की भी मांग की जा रही है।

भाजपा ने जैसे ही छपरा में जहरीली शराब का मुद्दा उठाया, नीतीश कुमार नाराज हो गए। वह भाजपा के नेताओं पर ही चिल्लाने लगे और कहा कि तुम लोग गंदा काम करते हो। तुम लोग शराबी हो। अब तो बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब टॉलरेट नहीं किया जाएगा। तुम लोग पूरे बिहार में गंदा काम करते हो। तुम लोग शराब के पक्ष में हो, जो लोग गंदा शराब पीकर मर रहे हैं, उनके पक्ष में हो गए हो। इस दौरान नीतीश कुमार एक जबरदस्त तरीके से आक्रामक दिखे। उन्होंने कहा कि तुम लोगों ने शराब नहीं पीने का संकल्प लिए थे। लेकिन आज शराब पीने वालों को मुआवजा देने की मांग कर रहे हो। वही, नेता विपक्ष विजय सिन्हा ने नीतीश कुमार से माफी मांगने को कहा। यह बात सुनकर नीतीश कुमार एक बार फिर से जोर जोर से चिल्लाने लगे।

दूसरी ओर भाजपा विधायक जबरदस्त तरीके से जय श्रीराम के नारे बाजी करते रहे। भाजपा ने कहा कि कुढ़नी तो झांकी है, पूरा बिहार अभी बाकी है। इतना ही नहीं, नीतीश कुमार भाजपा के विधायकों पर इतने आक्रमक थे कि उन्होंने सदस्यों को बर्बाद करने तक की धमकी दे दी। उन्होंने कहा कि जब बिहार में शराबबंदी का कानून लाया जा रहा था तो सभी इसके पक्ष में थे। नीतीश कुमार सदन में गुस्से में थे। उन्होंने सभापति की तरफ इशारा करते हुए कहा भगाओ सबको। इस दौरान हंगामा बहुत ज्यादा हो गया। सदन की कार्यवाही को 15 मिनट के लिए स्थगित कर दिया गया। भाजपा नेताओं का दावा है कि बिहार में शराबबंदी पूरी तरीके से फेल है। इसकी वजह से कानून व्यवस्था भी बिगड़ रही है।

अरविंद केजरीवाल ने चीन से व्यापार बंद करने की मांग की, कहा- इससे उसे सबक मिलेगा और भारत में रोजगार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। हाल में ही चीन और भारतीय सेना के बीच अरुणाचल प्रदेश के तवांग में झड़प हो गई थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में बताया कि चीन की सेना भारत में अतिक्रमण की कोशिश कर रही थी। भारतीय सेना की ओर से उन्हें वापस खदेड़ भेजा गया। हालांकि, विपक्ष लगातार सरकार घेरने की कोशिश कर रहा है। इन सब के बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने चीन से व्यापार बंद करने की मांग कर दी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इससे चीन को सबक मिलेगा।

अपने ट्वीट में अरविंद केजरीवाल ने लिखा कि हम चीन से अपना व्यापार क्यों नहीं बंद करते? उन्होंने साफ तौर पर कहा कि चीन से आयात की जाने वाली अधिकतर वस्तुयें भारत में बनती हैं। इस से चीन को सबक मिलेगा और भारत में रोज़गार। दूसरी ओर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि भारतीय सेना चीनी सेना की आंखों में देख रही है। हमारी सेना तय करेगी कि कब कौन सी जानकारी साझा करनी है और किसको विश्वास में लेना है और यह सेना की रणनीति के आधार पर होगा। उन्होंने कहा कि सेना की सहमति से जो भी जानकारी साझा करने की जरूरत होगी, उसे रक्षा मंत्री साझा करेंगे।

हालांकि, संसद में भी जबरदस्त तरीके से सरकार को घेरने की कोशिश भी विपक्ष की ओर से की जा रही है। संसद में कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के सदस्यों नेबुधवार को अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में भारत एवं चीन के सैनिकों के बीच पिछले दिनों हुई झड़प के मुद्दे को फिर उठाया और इस पर चर्चा कराने की मांग की। दोनों सदनों में इस मुद्दे पर चर्चा की अनुमति नहीं मिलने पर विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने वॉकआउट किया। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने शून्यकाल में चीनी अतिक्रमण के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की।

कर्नाटक के बाद तेलंगाना से महाराष्ट्र का विवाद, 14 गांवों ने की अलग करने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र-कर्नाटक के बीच छिड़ा सीमा विवाद अभी थमा भी नहीं था कि महाराष्ट्र-तेलंगाना सीमा विवाद बढ़ता नजर आ रहा है। तेलंगाना से सटे कुछ गांवों की ओर से उन्हें अलग करने की मांग की गई है। तेलुगु की सीमा से लगे पश्चिमी राज्य के चंद्रपुर जिले के 14 गांवों ने लगातार उपेक्षा और विकास की कमी का आरोप लगाते हुए बाद में शामिल होने में रुचि व्यक्त की है। हालाँकि, ये सभी 14 गाँव भौगोलिक रूप से चंद्रपुर जिले की सुदूर जिवती तहसील में स्थित हैं जो महाराष्ट्र का हिस्सा हैं, हालांकि इन गाँवों की निर्भरता तेलंगाना पर अधिक है।

ये 14 टोले सरकार की लापरवाही और विकासात्मक परियोजनाओं की कमी के कारण विकास में पिछड़ गए हैं। सड़कों और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए गांवों को संघर्ष करना पड़ता है; इस वजह से स्थानीय लोग महाराष्ट्र सरकार से नाराज हैं। पहले आंध्र प्रदेश और अब तेलंगाना (विभाजन के बाद) ने इन 14 बस्तियों पर विशेष ध्यान देना शुरू किया है। तेलंगाना सरकार ग्राम पंचायत भवन, स्कूल, पानी की टंकी और अन्य बुनियादी सुविधाएं प्रदान कर रही है। तेलंगाना का प्रशासन लगातार इन लोगों तक पहुंच बना रहा है और ग्रामीण तेलंगाना सरकार की समाज कल्याण योजना का लाभ उठा रहे हैं। हालांकि कानूनी तौर पर ये गांव महाराष्ट्र का हिस्सा हैं, लेकिन तेलंगाना सरकार लगातार इन गांवों के लोगों को अपनी योजनाओं से आकर्षित कर रही है।

यूपी में निवेश लाने की तैयारी में योगी सरकार मंत्री और अधिकारी विदेश दौरे पर

-20000 करोड़ से ज्यादा के निवेश के लिए एमओयू साइन किए

लखनऊ (एजेंसी)। योगी सरकार ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 10 लाख़ करोड़ के निवेश की तैयारियों में लगी है। योगी सरकार के मंत्री और अधिकारी इनदिनों विदेश दौरे पर हैं। पिछले 3 दिनों के भीतर विदेशी कंपनियों ने 20000 करोड़ से ज्यादा के निवेश के लिए एमओयू साइन किए हैं। अमेरिका ऑस्ट्रेलिया कनाडा कोरिया और ब्राजील के निवेशकों ने यूपी में निवेश का भरोसा दिया है। वहीं हजारों करोड़ के एमओयू भी साइन किए हैं।

यूएई दौरे पर मंत्री राकेश सचान और पीडब्ल्यूडी के प्रमुख सचिव नरेंद्र भूषण सहित कई अफसरों ने अबूधाबी और कई जगहों पर विदेशी निवेशकों से बैठकें की। इसका नतीजा यह रहा कि लुलु ग्रुप में 5000 करोड़ से ज्यादा के निवेश पर सहमति जता दी है। वहीं अलाना ग्रुप ने 1000 करोड़ के निवेश की सहमति दी। इस टीम ने दस हजार करोड़ रुपए के निवेश पर निवेशकों से बातचीत की है।

उधर बेल्जियम में औद्योगिक विकास मंत्री और पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद की अगुवाई वाले प्रतिनिधिमंडल ने एग्रिस्टो बेल्जियम के साथ निवेश पर चर्चा की। इस दौरान कंपनी की बिजनेस हेड स्टेफनी ड्यूमोर्टियर ने यूपी के बिजनौर में फूड सेक्टर पर 200 करोड़ रुपए निवेश किए हैं और उनके 2023 में 300 करोड़ रुपए और खर्च करने की योजना है। 2025 में भी कंपनी 200 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इस मौके पर स्टेफनी ड्यूमोर्टियर ने प्रदेश सरकार के सहयोग की तारीफ की और यूपी में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर भरोसा जताया। प्रतिनिधिमंडल ने फ्लिक्सिस ग्रुप के डायरेक्टर बेन से भी मुलाकात की और प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर में निवेश इंटेंट को लेकर बातचीत की।

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल ने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी पहुंचा। इस दौरान योगी सरकार और यूनिवर्सिटी के बीच विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी को लेकर भी चर्चा हुई। साथ ही बैठक के बीच वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट और स्किल डेवलपमेंट व डिजास्टर मैनेजमेंट में आम भागीदारी के लिए तीन महत्वपूर्ण एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए गए। इसके पहले सिडनी में रोड शो के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के निवेशकों को योगी सरकार के फोकस फैक्टर पर प्रकाश डाला गया। प्रतिनिधिमंडल ने अर्बन टास्क फोर्स ऑस्ट्रेलिया (यूटीए) के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की और सीईओ टॉम फॉरेस्ट को ओडीओपी के उत्पाद भेंट स्वरूप प्रदान किए गए। इस अवसर पर राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस भी हुई जिसमें स्वतंत्रदेव सिंह ने यूटीए को इंफ्रास्ट्रक्चर अर्बन डेवलपमेंट और डिफेंस जैसे सेक्टर में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

श्रृद्धा वॉकर हत्याकांड से महाराष्ट्र सरकार ने लिया सबक, उठाया बड़ा कदम

मुंबई। (एजेंसी)। महाराष्ट्र में श्रद्धा वॉकर की हत्या के बाद राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। श्रृद्धा वॉकर हत्याकांड के खुलासे के बाद महाराष्ट्र सरकार ने अंतर-जातीय या अंतर-धार्मिक दंपतियों और परिवार से अलग हो चुकी महिलाओं तथा उनके परिवार के बारे में जानकारी जुटाने के लिए एक समिति का गठन किया है। राज्य के महिला एवं बाल विकास विभाग ने मंगलवार को इस संबंध में जानकारी साझा की है। इस समिति का काम होगा उन महिलाओं की जानकारी इकट्ठा करना जो किन्हीं कारणों से अपने परिवार से अलग हो गई है।

इस समिति के निर्माण का मुख्य कारण है कि आने वाले समय में श्रद्धा जैसी घटना दोबारा ना हो। विभाग के मुताबिक ''अंतर-जातीय/अंतर-धार्मिक विवाह-परिवार समन्वय समिति (राज्य स्तरीय)'' की अध्यक्षता राज्य के महिला एवं बाल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा करेंगे। जानकारी के मुताबिक समिति ऐसे विवाहों में शामिल महिलाओं, जो शायद अपने परिवार से अलग हो गई हैं, के लिए जिला स्तर पर की जाने वाली पहलों की निगरानी करेगी ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें सहायता प्रदान की जा सके। समिति महिलाओं और उनके परिवारों के लिए परामर्श प्राप्त करने और मुद्दों को हल करने के लिए एक मंच होगी।

समिति में होंगे 13 सदस्य

विभाग के मुताबिक कल्याणकारी योजनाओं और मामले से संबंधित कानून के बारे में राज्य और केंद्र सरकार की नीतियों का अध्ययन करने के लिए समिति में सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्रों के 13 सदस्य होंगे। समिति जिला अधिकारियों के साथ नियमित रूप से बैठकें करेगी और पंजीकृत और

अपंजीकृत अंतरधार्मिक और अंतरजातीय विवाहों, ऐसी शादियां जो पूजा स्थलों में होती हैं और घर से भाग कर विवाह किए जाते हैं, की जानकारी एकत्र करेगी।

पिछले महीने मंत्री लोढ़ा ने राज्य महिला आयोग से एक विशेष दस्ते का गठन करने के लिए कहा था ताकि उन महिलाओं की पहचान की जा सके जिन्होंने परिवार की रजामंदी के बिना शादी की और बाद में उनसे अलग हो गईं। यह फैसला श्रद्धा वॉकर हत्याकांड को देखते हुए लिया गया था। वॉकर की उसके लिव इन पार्टनर आफताब पूनावाला ने कथित रूप से इस साल मई में दिल्ली में हत्या कर दी थी।

हालांकि इस मामले पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने इस समिति के निर्माण का विरोध किया है। पार्टी का कहना है कि एकनाथ शिंदे सरकार लोगों के निजी जीवन में जासूसी करने का प्लान कर रही है। सरकार के पास ऐसा कोई अधिकार नहीं होता है।

भारत-अमेरिका ने आतंकवाद से निपटने के तरीकों पर चर्चा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय यात्राएं करने की आतंकवादियों की क्षमता को बाधित करने की दिशा में कदमों पर चर्चा की। दोनों ने सभी देशों से तत्काल ऐसे अपरिवर्तनीय कदम उठाने को कहा जिससे यह सुनिश्चित हो कि उनकी धरती का उपयोग आतंकवादी हमलों के लिये न हो। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादी संगठनों से उत्पन्न खतरों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और अल-कायदा, आईएसआईएस/दाएश, लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और अल बदर जैसे आतंकवादी संगठनों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की जरूरत पर बल दिया।

विदेश मंत्रालय ने भारत-अमेरिका आतंकवाद रोधी संयुक्त कार्य समूह की 19वीं बैठक और 'भारत-अमेरिका डेजिग्नेशंस डायलॉग' के पांचवें सत्र के बाद यह बयान जारी किया है। यह दोनों कार्यक्रम दिल्ली में 12-13 दिसंबर को हुए। परोक्ष रूप से पाकिस्तान के संदर्भ में विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों पक्ष आतंकवादी प्रॉक्सी का उपयोग करने, सीमा पार से आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के सभी स्वरूपों की कटु निंदा करते हैं। उन्होंने 26/11 मुंबई और पठानकोट हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं को न्याय की जद में लाने की बात कही।

चुनाव 2023: अगले साल होने वाले चुनाव में भाजपा की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं ये मुद्दे

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2022 खत्म हो रहा है। भाजपा के लिहाज से देखें तो यह साल उसके लिए अच्छा रहा। उत्तर प्रदेश, मणिपुर, गोवा, उत्तराखंड तथा गुजरात में उसने अपनी सरकार बरकरार रखी। हालांकि, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली नगर निगम चुनाव में उसे करारा झटका भी लगा है। पंजाब में पार्टी का वोट शेयर बढ़ा जरूर है। लेकिन अगले साल 9 राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं। जिन 9 राज्यों में चुनाव है उनमें कर्नाटक, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड और मिजोरम शामिल हैं। कर्नाटक, मध्य प्रदेश और त्रिपुरा में भाजपा की सरकार है। वहीं, मेघालय, नागालैंड और मिजोरम में गठबंधन की सरकार है। भाजपा हर हाल में अगले साल के चुनाव में भी शानदार प्रदर्शन करना चाहती है। लेकिन कुछ ऐसे मुद्दे हैं जो पार्टी के लिए मुश्किलें बढ़ा सकती हैं।

- पुरानी पेंशन व्यवस्था को कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में बड़ा मुद्दा बनाया था। कांग्रेस के लिए यह काम भी कर गया। कांग्रेस सत्ता में आ गई। इसे राजस्थान, छत्तीसगढ़ और पंजाब में लागू किया जा चुका है। ऐसे में भाजपा के विरोधी दल पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की बात रखेंगे। भाजपा को इसका काट ढूंढना होगा।

- सरकारी कर्मियों के लिए महंगाई भत्ता एक बड़ा मुद्दा है। इसके भुगतान में देरी भी चुनावी मुद्दा बन जाता है। कई राजनीतिक दल इस मुद्दे को उठाते रहे हैं। ऐसे में यह मुद्दा भी भाजपा को परेशान कर सकती है। विपक्षी पार्टियां इस मुद्दे को लेकर भाजपा पर निशाना साधते रहते हैं।

- जातिगत जनगणना को लेकर कुछ राज्यों में जबरदस्त मांग उठ रही है। हालांकि केंद्र सरकार की ओर से इसे बार-बार खारिज किया जा रहा है। ऐसे में विपक्षी दल इसे राज्यों के चुनाव में बड़ा मुद्दा बना सकते हैं। छत्तीसगढ़ में आरक्षण एक बड़ा मुद्दा है जिसकी सीमा बढ़ाकर 76 फ़ीसदी कर दिया गया है। भाजपा को इसका काट भी ढूंढना होगा।

- वर्तमान में देखें तो महंगाई भाजपा सरकार के लिए सबसे बड़ी समस्या है। तेल और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी है। इसके अलावा कई जरूरी खाद्य वस्तुओं के दाम भी बढ़े हुए हैं। ऐसे में महंगाई को काबू करना फिलहाल केंद्र सरकार की सबसे बड़ी चुनौती है। वैश्विक परिस्थितियों में यह मुश्किल भी है। लेकिन आम लोगों में विपक्ष इसे बड़ा मुद्दा बना रहा है और उम्मीद कर रहा है कि आने वाले चुनाव में उसे इसका फायदा भी हो सकता है।

- भले ही किसान आंदोलन की वजह से उत्तर प्रदेश चुनाव में भाजपा को नुकसान नहीं हुआ। लेकिन किसानों के मुद्दे अभी भी बड़े हैं। एमएसपी को लेकर सरकार ने आश्वासन जरूर दिया था लेकिन अब तक पूरा नहीं हुआ है। मध्य प्रदेश, कर्नाटक और राजस्थान में यह बड़ा मुद्दा बन सकता है। सरकार को किसानों को लेकर कुछ जरूरी कदम जरूर उठाने होंगे।

- वर्तमान समय में बेरोजगारी एक बड़ी समस्या है। सरकारी नौकरी के लिए युवाओं को संघर्ष करना पड़ रहा है। ऐसे में रोजगार को लेकर युवाओं की नाराजगी केंद्र सरकार से बढ़ते जा रही है। इसको दूर करना सबसे बड़ी जरूरत है।

- हिमाचल में अग्निपथ योजना का असर देखने को मिला। दरअसल, जब अग्निपथ योजना को लाया गया था तो कई जगह इसका विरोध हुआ था। हिमाचल से सेना में जाने वालों की तादाद काफी ज्यादा है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि हिमाचल में भाजपा की हार का एक कारण यह भी था। ऐसे में आगामी चुनाव के लिए भाजपा इसको लेकर भी रणनीति जरूर बनाएगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी ने अहमदाबाद में प्रमुख स्वामी महाराज शताब्दी महोत्सव का शुभारंभ किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद में प्रमुख स्वामी महाराज के शताब्दी महोत्सव का शुभारंभ किया। शताब्दी महोत्सव को लेकर अहमदाबाद के 132 फूट रिंग रोड पर ओगणज क्षेत्र में 600 एकड़ में प्रमुख स्वामी महाराज नगर बनाया गया है। पीएम मोदी ने बीएपीएस के छठवें आध्यात्मिक महंत स्वामी अन्य संतों गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की उपस्थिति में प्रमुख स्वामी महाराज शताब्दी महोत्सव का दीप जलाकर शुभारंभ किया। जिसके पश्चात पीएम मोदी ने प्रमुख स्वामी महाराज नगर में बनाए गए ग्लो गार्डन का परिभ्रमण किया। ग्लो गार्डन में ज्योति उद्यान बनाया गया है जहां विभिन्न कलाकृति तैयार की गई हैं। जिसमें श्वान की वफादारी का मूल्य एक प्रतिकृति के माध्यम से समझाया गया है। यहां की हर तरह की कृतियां स्वयंसेवकों द्वारा तैयार की गई हैं। पीएम मोदी ने अक्षरधाम की प्रतिकृति प्रांगण में परिक्रमा करते हुए संतों की प्रतिमा के समक्ष हार्दिक पुष्पाजंलि अर्पण की। पीएम मोदी ने सीताराम और हनुमान जी के दर्शन कर उनकी प्रदक्षिणा की। बाद में पीएम मोदी ने महोत्सव में देश-विदेश से आए लोगों का अभिवादन भी किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि ऐतिहासिक कार्यक्रम में साथी सहभागी और सत्संगी बनने का अवसर मिला है। मैंने जितना भी यहां समय बिताया है उसमें मुझे दिव्यता की अनुभूति हुई है। यहां अबाल वृद्ध सभी के लिए विरासत धरोहर प्रकृति को समाहित किया गया है। प्रमुख स्वामी महाराज नगर में भारत के हर रंग दिखते हैं जो आनेवाली पीढ़ी को प्रेरणा देंगे। उन्होंने कहा कि दुनियाभर से लोग मेरे पिता तुल्य प्रमुख स्वामी महाराज को श्रद्धाजंलि देने आएंगे। वसुधैव कुटुंबकम की भावना के इस नगर में दर्शन होते हैं। बचपन में जब दूर से प्रमुख स्वामी के दर्शन करता था तब कल्पना भी नहीं की थी कि उनसे प्रत्यक्ष मिलने का सौभाग्य मिलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि 1991 में पहली बार प्रमुख स्वामी महाराज से मिलने और सत्संग का अवसर मिला था। जिसमें केवल सेवा की बात की थी। प्रमुख स्वामी व्यक्ति की क्षमता के मुताबिक सत्संग प्रवचन देते थे। पूर्व राष्ट्रपति स्व. अब्दुल कलाम वैज्ञानिक थे उन्हें भी प्रमुख महाराज से सीखने को मिला और मुझ जैसे सामाजिक कार्यकर्ता को भी उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला है। पीएम मोदी ने कहा कि 2002 में जब पहली बार चुनाव लड़ा तब नामांकन पत्र में हस्ताक्षर करने के लिए कलम प्रमुख स्वामी महाराज ने दी थी। जिसके बाद से लेकर वाराणसी में जब नामांकन दाखिल किया तब भी प्रमुख स्वामी ने कलम भेजी थी। इतना ही नहीं पिछले 40 साल से प्रति वर्ष कुर्ते-पायजामे का कपड़ा प्रमुख स्वामी महाराज मुझे भेजते थे। आज मैं प्रधानमंत्री हूं इसके बावजूद मुझे वस्त्र भेजने की परंपरा महंत स्वामी महाराज ने जारी रखी है। उन्होंने कहा कि कच्छ के विनाशकारी भूकंप के दौरान जब मैं सेवा करने वहां पहुंचा तब मेरे भोजन की चिंता प्रमुख स्वामी महाराज ही करते थे। 1992 में जब मैं कश्मीर के लालचौक में तिरंगा फहराने गया तब सबसे पहला फोन प्रमुख स्वामी महाराज ने किया और मेरा हाल-चाल जाना। अहमदाबाद में आयोजित प्रमुख स्वामी जन्म शताब्दी महोत्सव को लेकर पुलिस-प्रशासन अलर्ट है। इतने बड़े महोत्सव में नेता देश-विदेश के वीवीआईपी मेहमानों समेत आम लोगों की सुरक्षा के लिए शहर ग्रामीण एवं गांधीनगर जिला पुलिस सुरक्षा बंदोबस्त में तैनात की गई है। सुरक्षा व्यवस्था में 2 एसआरपी कंपनी 6 डीसीपी स्तर के अधिकारी 25 से 30 पीआई और पीएसआई के अलावा 1500 से ज्यादा पुलिस जवान लगाए गए हैं। वीवीआईपी की कैटेगरी के मुताबिक सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त संजय श्रीवास्तव ने विश्वास व्यक्त किया कि स्वामीनारायण संप्रदाय काफी अनुशासित है और इसलिए पुलिस विभाग को सुरक्षा की दृष्टि से कोई समस्या नहीं होगी। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिस विभाग को भी धार्मिक महोत्सव में सेवा देने का अवसर मिलेगा।

गुजरात में बदला मौसम का मिजाज अहमदाबाद समेत राज्य के कई जिलों में बेमौसमी बारिश

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,पिछले दो दिनों से गुजरात में मौसम का मिजाज बदला हुआ है और अहमदाबाद समेत राज्य की कई जिलों में बेमौसमी बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। मौसम विभाग के कारण वेस्टर्न डिस्टर्बन्स के असर से गुजरात के आसमान में बादलों का जमावडा है और इस कारण ठंड का असर कम हुआ है। आसमान के साफ होने पर गुजरात में फिर एक बार ठंड का प्रमाण बढ़ेगा। इस बीच अहमदाबाद साबरकांठा खेडा हिम्मतनगर डाकोर समेत राज्य के कई हिस्सों में बेमौसमी बारिश हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटों तक गुजरात के आसमान में बादलों का जमावडा रहेगा और अगले दो दिन सौराष्ट्र व दक्षिण गुजरात में मावठ होने की संभावना है। मौसम विभाग ने दक्षिण गुजरात के सूरत वलसाड तापी डांग और उत्तर गुजरात के अरवल्ली महीसागर समेत सौराष्ट्र के अमरेली राजकोट में छुटपुट बारिश की भविष्यवाणी की है। आसमान में बादल छाए होने की वजह से तापमान में बढ़ा है और ठंड का प्रमाण घटा है। हांलाकि हवा की गति तेज होने की वजह से लोगों को ठंड का अहसास हो रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक दो दिन बाद वातावरण सूखा होगा और उसके बाद ठंड का प्रमाण बढ़ेगा। 20 दिसंबर के बाद गुजरात के तापमान गिरे और ठंड का प्रमाण बढ़ेगा। बेमौसमी बारिश होने से सब्जी समेत अन्य फसलों के नुकसान की आशंका ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है।

चलती बस में ड्राइवर को हार्टअटैक, शोरूम में घुसी बस

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भावनगर,गुजरात के भावनगर में एक निजी बस के चालक को चलती बस में हार्टअटैक आया। चालक का बस में संतुलन खोने के बादबस तीन वाहनों को चपेट में लेते हुए एक शोरूम में घुस गई। इस घटना में बस चालक की मौके पर ही मौत हो गई। बस में सवार अन्य यात्री सुरक्षित रहे। घटना के बाद पुलिस ने बस चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस द्वारा इस मामले की जांच शुरूकर दी गई है।

बस की चपेट आने में 3 वाहनों और शोरूम को बुरी तरह नुकसान हुआ है।

चुनाव के बाद अब उत्तरायण पर चलेगा मोदी का जादू पीएम की तस्वीरवाली पतंगों की धूम

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,गुजरात विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ऐसा जादू चला कि ऐतिहासिक जीत दर्ज की। अब उत्तरायण यानी मकर संक्रांति पर पीएम मोदी का जादू चलेगा। उत्तरायण के आडे एक महीने का वक्त बाकी है परंतु उससे पहले सूरत के बाजार में पीएम मोदी की तस्वीर वाली पतंगों को जबर्दस्त मांग है। इस बार पतंग बाजार में 'मोदी ब्रांड' की धूम है। पीएम मोदी की तस्वीर वाली पतंगों की जबर्दस्त बिक्री हो रही है। हर साल पतंग पर फिल्म अभिनेता अभिनेत्री या क्रिकेटरों की तस्वीरों वाली पतंगों की मांग होती है। लेकिन इस बार पतंग बाजार में तिरंगा पतंग बेटी बचाओ और मोदी ब्रांड छाया हुआ है। दशकों से पतंग का व्यापार करने वाले व्यवसायी की चौथी पीढ़ी के हितेश मिस्त्री ने बताया कि इस बार उत्तरायण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीरे पतंगों की भारी मांग है। उत्तरायण के आडे अभी एक महीने का समय है और उससे पहले पीएम मोदी की फोटो वाली पतंगों की धूम बिक्री हो रही है। इसी के साथ तिरंगा पतंग और बेटी बचाओ तथा छोटा भीमवाली पतंगों की काफी बिक्री हो रही है। पतंग बाजार में खरीदी करने पहुंचे एक ग्राहक ने कहा कि इस बार भी बाजार रंग-बिरंगे पतों से अटा पड़ा है। उसमें भी सबसे ज्यादा लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीर वाली पतंगे छाई हुई हैं और इसीलिए लोग भी वही ज्यादा खरीद रहे हैं। ताकि पीएम मोदी और भाजपा के विकास कार्यों के बारे में बच्चों को जागृत किया जा सके। पतंग बाजार धूम बिक्री को देखते हुए लगता है इस बार उत्तरायण पर पीएम मोदी और तिरंगा समेत अन्य पतंग आसमान में छाएंगे।

जरोद दुर्घटना

मुख्यमंत्री का मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख की सहायता राशि का ऐलान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,वडोदरा के जरोद के निकट आज सुबह कंटेनर और एसयूवी कार के बीच हुई दुर्घटना में एक बच्चे समेत चार लोगों को मौत हो गई थी। जबकि 5 लोग घायल हो गए थे। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने इस दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को रु 4-4 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है। साथ ही दुर्घटना में घायलों को रु 50-50 हजार की सहायता राशि का भी ऐलान किया है। गौरतलब है सूरत निवासी परिवार एसयूवी कार में महाकाल के दर्शन करने उज्जैन गया था। वहां से लौटते समय पावागढ़ में महाकाली माता के दर्शन के बाद सभी लोग सूरत की ओर लौट रहे थे। रास्ते में वडोदरा के जरोद के निकट एसयूवी कार हाईवे पर खड़े कंटेनर के पीछे धमाके के साथ घुस गई थी। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई जबकि 5 लोग घायल हो गए। मृतकों में एक 8 वर्षीय बच्चा शामिल है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने ट्वीट कर दुर्घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रगट की। साथ ही मृतकों के परिजनों को रु 4-4 लाख और घायलों को रु 50-50 हजार की सहायता राशि देने की घोषणा की।

पीएम मोदी का अहमदाबाद एयरपोर्ट पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अहमदाबाद पहुंचने पर एयरपोर्ट पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया है। एयरपोर्ट पर प्रोटोकोल राज्यमंत्री जगदीश विश्वकर्मा अहमदाबाद के मेयर किरीट परमार मुख्य सचिव पंकज कुमार मुख्यमंत्री के अग्र सचिव कैलाशनाथन अतिरिक्त मुख्य सचिव एके राकेश पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत किया। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रमुख स्वामी महाराज शताब्दी महोत्सव का उदघाटन करने अहमदाबाद आए हैं। अहमदाबाद के ओगणज में 600 एकड़ में प्रमुख स्वामी महाराज नगर बनाया गया है। एक महीने तक चलने वाले इस महोत्सव का पीएम मोदी उदघाटन करेंगे। 15 दिसंबर से आम लोग भी प्रमुख स्वामी महाराज नगर के दर्शन कर सकेंगे।

कंटेनर और कार के बीच दुर्घटना में एक बच्चे समेत चार लोगों की घटनास्थल पर मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा,वडोदरा के जरोद सर्कल के निकट कंटेनर और एसयूवी कार के बीच हुई दुर्घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद हाईवे पर ट्रैफिक जाम हो गया। जानकारी के मुताबिक राजस्थान का मूल निवासी और सूरत में स्थायी हुआ परिवार महाकाल के दर्शन करने उज्जैन गया था। एसयूवी कार में उज्जैन से लौटते समय रास्ते में पावागढ़ स्थित महाकाली माता के दर्शन किए और उसके बाद परिवार सूरत की जा रहा था। रास्ते में वडोदरा के जरोद के निकट हाईवे पर खड़े कंटेनर के पीछे एसयूवी कार धमाके से साथ घुस गई। इस हादसे में कार में सवार एक बच्चे समेत 4 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

मृतकों में 65 वर्षीय रघाजी किशोरजी कलाल 40 वर्षीय रोशन रघाजी कलाल 35 वर्षीय प्रकाश रामाजी गुर्जर और 8 वर्षीय राकेश कन्हैयालाल गुर्जर शामिल हैं।

घटना की खबर मिलते ही जरोद पुलिस और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। जरोद पुलिस ने इस हादसे के घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जबकि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कंटेनर के पीछे घुसी एसयूवी कार को जेसीबी की मदद से निकाला गया। जरोद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दोबारा मुख्यमंत्री बनने के बाद भूपेन्द्र पटेल ने अहमदाबाद को दी पहली भेंट

वैष्णोदेवी जंक्शन पर औडा द्वारा 40.36 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित अंडरपास का लोकार्पण किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विधानसभा चुनावों में प्रचंड जनसमर्थन प्राप्त कर सेवा का दायित्व संभाल रही अपनी नई सरकार के कार्यारंभ में ही अहमदाबाद महानगर तथा अहमदाबाद शहरी विकास प्राधिकरण (औडा)को 46.36 करोड़ रुपए के महत्वपूर्ण जनहित कार्यों की विकास भेंट दी है। मुख्यमंत्री ने औडा द्वारा सरदार पटेल (एस. पी.) रिंग रोड स्थित वैष्णोदेवी जंक्शन पर नवनिर्मित अंडरपास का बुधवार को लोकार्पण किया। पटेल ने इस बात का गौरव स्मरण किया कि उनकी नई सरकार का प्रथम सार्वजनिक कार्यक्रम सरदार धाम परिसर में सरदार पटेल की प्रतिमा के चरणों में आयोजित हुआ है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रतिबद्धता व्यक्त की कि यह सरकार हमेशा जनता कीसमस्याओं को प्राथमिकता देकर उनके समाधान के लिए सदैव कर्तव्यरत रहेगी। उन्होंने कहा किप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने एक होकर-नेक होकर जो विकास कार्य किए हैं उसका परिणाम हाल ही में हुए चुनाव में देखने को मिला है। इतना अधिक जनसमर्थन मिलने से सरकार की ज़िम्मेदारी बढ़ जाती है।उन्होंने कहा कि गुजरात की जनता ने जो विश्वास हम पर रखा है उसे लंबे समय तक बनाए रखने तथा इस विश्वास को मज़बूत करने की शुरुआत आज से कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक ऐसी परिपाटी प्रस्थापित की है जिसमें विकास की राजनीति से ही चुनाव जीते जा सकते हैं। भूपेंद्र पटेल ने कहा किप्रधानमंत्री ने अंतिम छोर के लोगों सहित 'सबका साथ-सबका विकास'के संकल्प से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो संकल्प किया है उसमें विकसित गुजरात का निर्माण से हमें नेतृत्व करना है। उन्होंने कहा कि आदणीय केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के संसदीय क्षेत्र में इस विकास कार्य का शुभारंभअत्यधिक हर्ष की बात है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने अपने इस संसदीय मतक्षेत्र को भारत का सर्वश्रेष्ठ तथा विकसित क्षेत्र बनाने का संकल्प किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के गृह मंत्री के रूप में पूरे देश की ज़िम्मेदारी होते हुए भी अमित शाह एक जनसेवक के रूप में अपनी ज़िम्मेदारी को कभी नहीं भूले। उन्होंने कहा कि अमित शाह की आदर्श जनप्रतिनिधि के रूप में कार्यपद्धति अनुकरणीय है। इस अवसर पर औडा अध्यक्ष श्री एम. थेन्नारसन ने नवनिर्मित अंडरपास का विवरण देते हुए कहा कि कुल 40.36 करोड़ रुपए की लागत से बने इस अंडरपास की लंबाई 720 मीटर और चौड़ाई 23 मीटर (6 लेन) (1132मीटर कैरेज वे) है। अंडरपास की आर.सी.सी दीवार की लंबाई 536 मीटर (268 मीटर + 268 मीटर) जबकि आर.सी.सी. बॉक्स की लंबाई 70 मीटर है।

कबाड़ की आड में शराब की तस्करी पुलिस ने मिनी ट्रक से बरामद की 1200 बोतलें

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,गुजरात में संपूर्ण शराबबंदी है लेकिन आए दिन देशी-विदेशी शराब पकड़ी जाती हैं। पुलिस से बचने के लिए शराब माफिया नित नए तरीके आजमाते हैं और कभी ना कभी पकड़े ही जाते हैं। बीती रात अहमदाबाद के शिवरंजनी क्षेत्र से कबाड़ की आड में शराब तस्करी का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने रु 7.78 लाख का माल-सामान जब्त कर लिया। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद की सेटेलाइट पुलिस की एक टीम रात्रि गश्त पर थी। उस वक्त शिवरंजनी चौराहे से नेहरूनगर की ओर जाने वाले रास्ते पर मिनी ट्रक खड़ा था। मिनी ट्रक में पंचर होने की वजह से दो लोग उसका टायर बदल रहे थे जबकि एक शख्स साइड में खड़ा था। गश्त पर निकली पुलिस वैन जब ट्रक के पास जाकर रुकी तो टायर बदल रहे दो लोग और साइड खड़े शख्स समेत तीनों वहां से भाग निकले। पुलिस जवान भी तीनों शख्सों को पकड़ने उनके पीछे भागे लेकिन रात के अंधेरे में तीनों गायब हो गए। पुलिस ने जब मिनी ट्रक की जांच की तो उसमें कबाड़ की आड़ में छिपाई गई शराब की 1200 बोतलें बरामद हुई। पुलिस ने शराब और मिनी ट्रक समेत रु 7.87 लाख माल सामान जब्त कर लिया। साथ ही आसपास के सीसीटीवी फूटेज के आधार फरार तीन शख्सों की तलाश शुरूकी है।